दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...
www.navpradesh.com

RNI NO - MPHIN/2017 /72749 | भोपाल, रविवार 9 अगस्त 2026 , कृष्ण पक्ष-एकादशी | विक्रम संवत -2083, वर्ष -10 अंक-100 पृष्ठ -08 मूल्य-4 | भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

न सबूत न गवाह, 22 साल बाद बरी... सुप्रीम कोर्ट ने कहा- यह हमारी क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम की विफलता

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने 22 वर्ष जेल में बिताने वाले एक हत्या के दोषी को बरी करते हुए देश की क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि यह मामला क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम की 'सामूहिक विफलता' का उदाहरण है, जहां पुलिस ने केवल संदेह के आधार पर व्यक्ति को गिरफ्तार किया, हिरासत में थर्ड डिग्री यातनाएं देकर जुर्मा स्वीकार कराई, ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का सही मूल्यांकन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

ओडिशा हाई कोर्ट के फैसले को किया रद्द

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने ओडिशा हाई कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए आरोपी को बरी कर दिया। फैसला लिखते हुए जस्टिस चंद्रन ने कहा कि यह मामला संवैधानिक अदालतों के लिए आत्ममंथन का विषय है, विशेषकर तब जब जेल से दायर अपीलों में देरी को लेकर उदार और सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता हो। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, 'तीन लोगों की निर्मम हत्या हुई। केवल संदेह के आधार पर एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया, उससे थर्ड डिग्री तरीकों से इकबालिया जुर्म (स्वीकारोक्ति) कराई गई, ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों का समुचित मूल्यांकन नहीं किया और हाई कोर्ट मूक दर्शक बना रहा। इन सभी कारणों से एक व्यक्ति के जीवन के 22 वर्ष बिना विश्वसनीय साक्ष्य के समाप्त हो गए।

■ सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के इस रवैये पर गहरी नाराजगी जताई

क्या था पूरा मामला

मामला तीन महिलाओं की हत्या से जुड़ा था। आरोपी को निचली अदालत ने दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। यह दोषसिद्धि केवल एक प्रत्यक्षदर्शी गवाह के बयान पर आधारित थी। बाद में आरोपी ने जेल से हाई कोर्ट में अपील दायर की, लेकिन 3,157 दिन की देरी का हवाला देते हुए ओडिशा हाई कोर्ट ने बिना मामले के गुण-दोष पर विचार किए अपील खारिज कर दी। उस समय तक आरोपी 12 वर्ष जेल में बिता चुका था। सुप्रीम कोर्ट में मामला पहुंचने तक उसकी कुल कैद 22 वर्ष हो चुकी थी।

न्याय सिर्फ अदालत का फैसला नहीं, गरीब के दरवाजे तक पहुंचना जरूरी: सीजेआई

इंदौर/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में शनिवार को न्याय व्यवस्था से जुड़े देश के दिग्गज एक मंच पर नजर आए। वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन 'Enhancing Access to Justice' में भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने न्याय व्यवस्था को लेकर बेहद महत्वपूर्ण और जमीन से जुड़ा संदेश दिया। उन्होंने अपने संबोधन में इंदौर की धरती और लोकमाता

अहिल्याबाई होलकर के न्याय की परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि न्याय केवल अदालत में सुनाए जाने वाले फैसले का नाम नहीं है, बल्कि न्याय का असली अर्थ तब है जब वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। सीजेआई सूर्यकांत ने साफ कहा कि सिर्फ कानून बना देने, मंत्रालय खड़े कर देने या ■ शेष पृष्ठ 6 पर

आज बेबाक

झारखंड के आंदोलित छात्रों के बीच बिन बुलाए मेहमान की तरह पहुंची तथाकथित स्टुडेंट्स लीडर नेहा बोरा की गजब बेइज्जती हो गई। मंच पर उसने जैसे ही देश विरोधी नारे लगाए उसे छात्रों ने धकिया कर मंच से उतारा और आंदोलन स्थल से खदेड़ दिया। उस पर स्याही फेंककर उसका मुंह भी काला कर दिया। झारखंड के देशभक्त छात्रों ने साबित कर दिया कि उन्हें किराए पर घड़ियाली आंसू बहाने वाले देशद्रोहियों की जरूरत नहीं है। उन्होंने नाली के कीड़ों को भी यह साफ संदेश दे दिया है कि झारखंड में काकरोचों के लिए काला और लाल हिट तैयार है।

20 दिन पहले रोकी गई अमरनाथ यात्रा

श्रीनगर/ए.। बाबा अमरनाथ की यात्रा तय समय से 20 दिन पहले रोक दी गई है। लगातार बारिश और लैंडस्लाइड के कारण रास्ते खराब हो जाने के कारण यह फैसला लिया गया। अब जो जत्थे यात्रा पर हैं, उन्हीं की यात्रा पूरी कराई जाएगी। नए जत्थे नहीं भेजे जाएंगे। अब तक 4.8 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। डिविजनल कमिश्नर कश्मीर अंशुल गर्ग ने बताया कि ढ्ढरूष्ठ ने अगले कुछ दिनों में खराब मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 9 अगस्त से दोनों रूट पर यात्रा रोकने का फैसला किया गया है। यात्रा भले ही 9 अगस्त से श्रद्धालुओं के लिए बंद हो जाएगी, लेकिन पारंपरिक छड़ी मुबारक कार्यक्रम के साथ इसका धार्मिक समापन होगा।

गरमा-गरम

आईआईटी में बोले मोदी- अगले 35 साल आप जो करेंगे, वह विकसित भारत का आधार होगा

सिर्फ सवाल मत पूछिए समाधान भी खोजें: मोदी

नई दिल्ली/ए.। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में स्टूडेंट्स को कई सीख दीं। उन्होंने कहा, 'हर पीढ़ी की अपनी चुनौतियां और जिम्मेदारियां होती हैं। इस पीढ़ी के लिए आने वाला समय और बेहद चुनौतीपूर्ण है। इसलिए यह समझें कि अगले 35 साल में आपका काम विकसित भारत का आधार होगा।'

उन्होंने कहा, 'मैंने आईआईटी के कई पूर्व छात्रों की सफलता देखी है। उन्होंने ऐसी समस्याओं को पहचाना, जिन पर किसी ने ध्यान नहीं दिया था। इसलिए हमेशा सीखते रहें, सिर्फ सवाल न पूछें और उनके समाधान भी खोजें।' भारत में अब तक कुल 37 सुपरकंप्यूटर लगाए जा चुकेः भारत में नेशनल सुपरकंप्यूटिंग मिशन के तहत अब तक 37 सुपरकंप्यूटर स्थापित किए जा चुके हैं और ये सभी चालू हैं। ये सुपरकंप्यूटर देश के प्रमुख IIT, IISc, NIT, C-DAC, IISER और अन्य शोध संस्थानों में लगाए गए हैं। इनमें परम सिद्धि (पुणे), परम

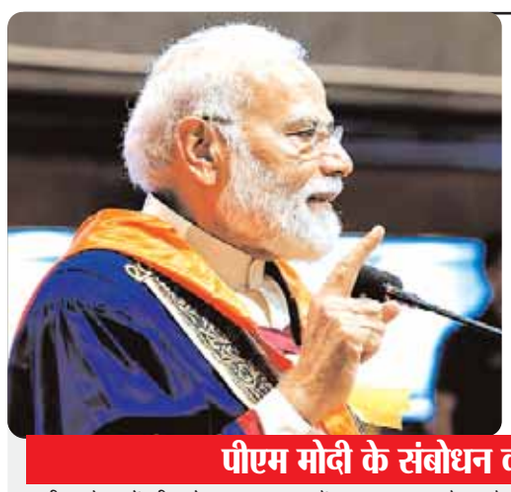

प्रधानमंत्री मोदी ने 'परम प्रज्ञा' सुपरकंप्यूटर का किया उद्घाटन

पीएम ने छात्रों को डिग्री दी और मेडल पहनाए। दीक्षांत समारोह में 3,000 से ज्यादा छात्र शामिल हुए। इनमें पीएचडी कर रहे 587 स्टूडेंट भी शामिल हैं। मोदी ने आईआईटी दिल्ली के सोनीपत कैंपस में स्थापित 'परम प्रज्ञा'नामक एआई बेस्ड हाई-परफॉर्मेंस सुपरकंप्यूटर का रिमोट से उद्घाटन किया। इस सुपरकंप्यूटर से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा साइंस, एडवांस्ड कंप्यूटिंग और रिसर्च में मदद मिलेगी। पीएम ने 'परम प्रज्ञा' सुपरकंप्यूटर का उद्घाटन किया।

पीएम मोदी के संबोधन की खास बातें

1. पीएम ने छात्रों की मनोदशा पर हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, 'मैं बाबा बागेश्वर नहीं हूं, लेकिन कुछ तो आपके मन में चलता होगा।' इसके बाद सभी लोग हंसने लगे।
2. हर स्टूडेंट आने वाले कल के लिए कोई न कोई सपना देख रहा होगा। कोई अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहा होगा, कोई स्टार्टअप शुरू करने का सपना देख रहा होगा, तो कोई नई प्रतियोगिता की तैयारी कर रहा होगा। सभी के अपने सपने हैं।
3. छात्र ऐसे समय में संस्थान से निकल रहे हैं, जब दुनिया तेजी से बदल रही है। शिक्षा और वैश्विक शक्ति संतुलन में लगातार बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी की रफ्तार इतनी तेज है कि यह कहना मुश्किल है कि अगले 20-30 साल में दुनिया कैसी होगी।
4. जब भी बदलाव आता है, उसके साथ चुनौतियां और अवसर दोनों आते हैं। इंडस्ट्री और प्रोफेशन का स्वरूप बदलता रहेगा। इसलिए खुद को तैयार रखें, हर चुनौती का सामना करें।
5. कैंपस लाइफ और असल जिंदगी में बहुत अंतर होता है। आईआईटी में सिलेबस होता है और पता होता है कि कौन-सी परीक्षा देनी है। कौन-सा कोर्स पढ़ना है। उधर, असली जिंदगी में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। वहां यह भी खुद पहचानना पड़ता है कि असली सवाल क्या है।
6. हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और दायित्व होते हैं। देश ने गुलामी का दौर देखा। उस समय की पीढ़ी के सामने आजादी हासिल करना सबसे बड़ा लक्ष्य था। इसके लिए लोगों ने लंबा संघर्ष किया और त्याग व बलिदान दिए।
7. आज की पीढ़ी की चुनौतियां और जिम्मेदारियां अलग हैं। अगले 35 साल में आप जो करेंगे, वह देश की कौन-सी जरूरत पूरी करेगा, यह आपको तय करना है।

पंजाब में शादी के लिए युवती बनी फर्जी एएसआई

मोगा/ए.। मोगा में संपन्न परिवार में शादी करने की चाहत में एक युवती ने खुद को पंजाब पुलिस की एएसआई बता दिया। उसने पुलिस की नकली वर्दी पहनी, वॉकी-टॉकी और फर्जी आई-कार्ड का इंतजाम किया और करीब दो महीने तक रोजाना मोगा आकर ड्यूटी करने का नाटक करती रही। इसी पहचान के दम पर उसने करीब एक महीने पहले एक संपन्न परिवार में शादी भी कर ली। ससुराल वालों को यकीन दिलाने के लिए वह रोज वर्दी पहनकर घर से निकलती और पूरा दिन मोगा में बिताती थी।

चंबा में 100 फीट नीचे गिरी बस, 8 की मौत, कई घायल

शिमला/ए.। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे ने इलाके को हिलाकर रख दिया। चुराह उपमंडल के बैरागढ़-चंबा मार्ग पर एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर करीब 100 फीट नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। हादसे में बस चालक और कंडक्टर समेत 8 लोगों की मौत की सूचना है, जबकि सात यात्री गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने तुरंत पहुंचकर राहत और बचाव

ग्रामीणों ने संभाला मोर्चा

हादसे की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त बस से बाहर निकालकर उपचार के लिए सिविल अस्पताल तीसा भेजा गया।

भारत पर 100% टैरिफ वाला बिल अमेरिकी सीनेट में पास

■ **रूसी तेल खरीदने वाले 5 देशों पर कार्रवाई, 86 सांसदों ने पक्ष में वोट किया, 11 विरोध में**

वॉशिंगटन डीसी/ए.। अमेरिकी सीनेट ने 86-11 के बहुमत से भारत समेत 5 देशों पर 100% तक का टैरिफ लगाने वाला बिल पास कर दिया है।

बिल के मुताबिक भारत, चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान पर 100% टैरिफ

लगाया जा सकता है। यह बिल रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के समर्थन से लाया गया। इसका मकसद रूस की तेल से होने वाली कमाई को कम करना है, ताकि उसकी युद्ध लड़ने की क्षमता कमजोर हो सके। 23 जुलाई को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। बिल के शुरुआती मसौदे में 500% टैरिफ लगाने का प्रस्ताव था, लेकिन बाद में इसे घटाकर 100% कर दिया गया। हालांकि, अभी ये कानून नहीं बना है। अभी इसे अमेरिकी संसद के निचले सदन यानी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में भेजा जाएगा। अगर वहां भी बिल पास हो जाता है, तो इसे राष्ट्रपति ट्रम्प के पास मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी मिलने के बाद ही यह कानून बनेगा।

राहुल गांधी का केंद्र सरकार से सवाल महिला आरक्षण लागू क्यों नहीं किया

■ **कहा-इसे परिसीमन से क्यों जोड़ रहे, लोकसभा सीटें बढ़ाकर लागू करना चाह रहे**

नई दिल्ली/ए.। राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि महिला आरक्षण बिल 2023 में ही संसद से सर्वसम्मति से पास हो चुका है और कांग्रेस ने इसका पूरा समर्थन किया था। लेकिन तीन साल बाद भी कानून लागू नहीं किया गया है।

राहुल गांधी ने केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू से सवाल किया कि महिला आरक्षण कानून को लागू करने में देरी क्यों हो रही है और इसे परिसीमन से क्यों जोड़ा जा रहा है। उन्होंने सरकार से 2023 में पारित कानून को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की।

राहुल ने भारतीय महिलाओं के हक को लेकर बयान दिया

दरअसल, राहुल ने शुक्रवार को एक वीडियो जारी कर कहा था कि भारत की महिलाओं को खुद को एक्सप्रेस करने की, कल्पना करने की मंजूरी नहीं है। कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक वहां की महिलाएं खुद को एक्सप्रेस न करें। रिजिजू ने उनके बयान पर रिप्लाई करते हुए लिखा था कि ये कांग्रेस की तरफ से एक पॉजिटिव मैसेज लगता है।

सांची में समृद्ध बौद्ध विरासत और स्थापत्य कला को देख अभिभूत हुए ब्रिक्स डेलीगेट्स

सांची को बताया शांति और आध्यात्मिकता का अद्भुत केंद्र

भोपाल/नवप्रदेश। ब्रिक्स देशों से आये प्रतिनिधि भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत और स्थापत्य कला को देखने शनिवार को रायसेन जिले के विश्व धरोहर स्थल सांची पहुंचे। ब्राजील, चीन, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, रूस सहित ब्रिक्स डेलीगेट्स के 42 सदस्यीय दल द्वारा केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के साथ जम्बू द्वीप पार्क, म्यूजियम तथा बौद्ध स्तूप का भ्रमण किया गया। इस दौरान म.प्र. शासन के

संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेन्द्र लोधी भी साथ हैं। ब्रिक्स डेलीगेट्स के सांची पहुंचने पर कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की अगवानी में उनका स्वागत भारतीय संस्कृति के अनुरूप तिलक लगाकर किया गया। ब्रिक्स डेलीगेट्स हजारों वर्ष पुरानी भारतीय स्थापत्य कला, पत्थरों पर उकेरी गई बौद्ध संस्कृति और भगवान बुद्ध के शांति एवं करुणा के संदेश से जुड़े बौद्ध स्तूप को देखकर अभिभूत नजर आए। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा झारखंड छात्रों का आंदोलन, पीआईएल दाखिल

■ **हेमंत सरकार से स्टूडेंट्स की बातचीत बेनतीजा, सुझाव के लिए ई-मेल, फीडबैक नंबर जारी**

रांची/नवप्रदेश। झारखंड पीएससी-एसएससी परीक्षा में धांधली के खिलाफ छात्रों के प्रदर्शन का शनिवार को 15वां दिन है। छात्रों और सरकार के प्रतिनिधिमंडल की आज करीब एक घंटे दूसरे राउंड की बातचीत हुई, लेकिन इसमें कोई सहमति नहीं बन पाई। इससे पहले कल यानी शुक्रवार की रात छात्रों से सरकार के डेलिगेशन ने बात की थी। अब छात्र आंदोलन का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एक सामाजिक

कल विधानसभा का घेराव छात्रों से पहुंचने की अपील

कल हुई बातचीत के बाद छात्रों ने स्पष्ट किया है कि केवल आश्वासन से काम नहीं चलेगा। 09 अगस्त तक जेपीएससी और जेएसएससी से संबंधित सभी मांगों पर सरकार फैसला ले और उन्हें पूरा किया जाए। अगर 09 अगस्त तक मांगों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं होती है, तो पहले से तय कार्यक्रम के तहत 10 अगस्त को विधानसभा घेराव होगा। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच की ओर से छात्रों-अभिभावकों से रांची पहुंचने की अपील की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया विभिन्न देशों के डेलिगेट्स का स्वागत और अभिनंदन

ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक अवसर: सीएम यादव

भोपाल घोषणा पत्र से वैश्विक सांस्कृतिक सहयोग को मिलेगी नई दिशा

भोपाल घोषणा पत्र से व्यावहारिक और दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त- केंद्रीय मंत्री शेखावत

11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक भोपाल में संपन्न

भोपाल/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों एवं वैश्विक प्रतिनिधियों का सम्मेलन संपूर्ण राज्य के लिए अत्यंत गर्व और गौरव का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सक्षम नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक धरोहर, समृद्ध प्राचीन परंपराओं और ऐतिहासिक गौरव को विश्व पटल पर अत्यंत प्रभावशीलता और गर्व के साथ प्रस्तुत कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों और संस्कृति कार्य समूह की बैठकों के समापन अवसर पर मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों के गहन मंथन और

बहुपक्षीय चर्चाओं के उपरांत सर्वसम्मति से %भोपाल घोषणा पत्र% को अपनाया गया, जो ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों, विरासत संरक्षण और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारतीय चिंतन के मूल मंत्रों-वसुधैव कुटुंबकम, जीओ और जीने दो तथा सर्वे भवंतु सुखिनः-का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत की यह प्राचीन अवधारणा विश्व शांति, सद्भाव और वैश्विक कल्याण की पक्षधर रही है। उन्होंने कहा कि देश का %हृदय स्थल% मध्यप्रदेश इस ऐतिहासिक आयोजन का साक्षी और मेजबान बनकर गौरवान्वित हुआ है। मध्यप्रदेश की आध्यात्मिक चेतना, ऐतिहासिक स्थापत्य कला और जनजातीय विरासत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी विदेशी मेहमानों को राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति, विशिष्ट व्यंजनों और आत्मीय आतिथ्य का एक अलौकिक अनुभव प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस बैठक के माध्यम से न केवल ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक साझेदारी प्रगाढ़ हुई है, बल्कि मध्यप्रदेश के पर्यटन, हस्तशिल्प और लोक कलाओं को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान मिली है। उन्होंने इस ऐतिहासिक आयोजन के सफल प्रबंधन के लिए केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और सभी सहभागी देशों के प्रतिनिधियों का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

भोपाल घोषणा पत्र से व्यावहारिक और दीर्घकालिक सहयोग का मार्ग प्रशस्त-केंद्रीय मंत्री शेखावत

केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत संस्कृति कार्य समूह की बैठकों का एक सुव्यवस्थित क्रम आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत पहली ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह की बैठक 29:30 अप्रैल 2026 को वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई, दूसरी बैठक 4:5 जून 2026 को वाराणसी में और तीसरी बैठक 5:6 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित की गई। इन बैठकों के गहन विचार-विमर्श का समापन 8 अगस्त 2026 को भोपाल में आयोजित 11वीं ब्रिक्स संस्कृति मंत्रियों की बैठक के साथ हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से भोपाल ■ शेष पृष्ठ 6 पर

तिरंगे के जयघोष से गूंजा शहर, युवा मोर्चा की अभिनंदन यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सागर आरतानी का भव्य स्वागत, बोले- पार्टी संगठन में सागर बनकर करूंगा काम

खंडवा। नव प्रदेश। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सागर आरतानी एवं महामंत्री शुभम पटेल के पदभार ग्रहण के बाद शनिवार को शहर में भव्य अभिनंदन एवं तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि यात्रा की शुरुआत दादाजी मंदिर में दर्शन-पूजन से हुई। हाथों में तिरंगा लेकर निकले युवा कार्यकर्ताओं के भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से शहर का माहौल राष्ट्रभक्ति से सराबोर हो गया।

ढोल-नगाड़ों और पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

यात्रा दादाजी धाम, गौशाला शनि मंदिर, नगर निगम, घंटाघर, केवलराम, बस स्टैंड और इंद्र चौक होते हुए भाजपा कार्यालय पहुंची। मार्ग में जगह-जगह कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने साफा पहनाकर, पुष्पवर्षा, माल्यार्पण और ढोल-नगाड़ों के साथ सागर आरतानी और शुभम पटेल का अभिनंदन किया।

नेताओं ने कहा - युवा मोर्चा पार्टी की रीढ़

भाजपा कार्यालय में हुए समापन कार्यक्रम में मंत्री विजय शाह, सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल, विधायक कंचन मुकेश तनवे, महापौर अमृता यादव, विधायक छाया मोरे, नारायण पटेल सहित वरिष्ठ नेताओं ने नव पदाधिकारियों को बधाई दी। नेताओं ने कहा कि भाजपा युवा मोर्चा पार्टी संगठन की रीढ़ है। चुनाव और संगठन के कार्यक्रमों में युवा कार्यकर्ताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

सागर आरतानी का बयान

नव नियुक्त जिलाध्यक्ष सागर आरतानी ने कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं, बल्कि जिले की पूरी युवा शक्ति का सम्मान है। पार्टी संगठन ने जो विश्वास मुझ पर जताया है, उस पर युवा मोर्चा के सभी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर खरा उतरूंगा। पार्टी के कार्यक्रमों में सागर महासागर बनकर कार्य करूंगा।कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष पिंकी वानखेड़े, जिला महामंत्री धर्मेंद्र बजाज, संतोष सोनी, पूर्व विधायक देवेंद्र वर्मा, अमर यादव, मुकेश तनवे, कपिल अनजने, मीडिया प्रभारी मंगलेश तोमर, आशीष राजपूत सहित भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में युवा मोर्चा कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन अमीनेस जोशी ने किया।

शिव महापुराण में पहुंचीं विधायक कंचन मुकेश तनवे, ग्रामीणों की मांग पर मांगलिक कार्यों हेतु टीन शेड के लिए 15 लाख की घोषणा

खंडवा। नव प्रदेश। क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक श्रीमती कंचन मुकेश तनवे ग्राम सरई में आयोजित शिव महापुराण कथा में शामिल होकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की तथा कथा का श्रवण कर क्षेत्रवासियों के सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने विधायक तनवे के समक्ष मांगलिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए स्थायी टीन शेड (टीन सेट) निर्माण की मांग रखी। ग्रामीणों की इस महत्वपूर्ण आवश्यकता को देखते हुए विधायक तनवे ने टीन शेड निर्माण हेतु विधायक निधि से 15 लाख की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। घोषणा होते ही उपस्थित ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामवासियों ने विधायक तनवे का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस टीन शेड के निर्माण से विवाह, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों सहित विभिन्न सामुदायिक आयोजनों के लिए स्थायी सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।अपने संबोधन में विधायक तनवे ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास और जनता की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जनहित के कार्य निरंतर जारी रहेंगे और प्रत्येक गांव के विकास के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि एवं शिव महापुराण कथा में शामिल श्रद्धालु उपस्थित रहे।विधायक कन्वे ने कहा कि आप चिंता ना करें क्षेत्र के विकास के लिए 24 घंटे आपकी सेवा में उपलब्ध हूं और भी जहां आपको जो लगेगा आपकी सेवा में कोई कमी नहीं आने दूंगी

विधायक कंचन तनवे के प्रतिनिधि मुकेश तनवे ने 100 से अधिक कांविडयों को कराया जलपान, बोल बम से शिवमय हुआ माहौल

खंडवा।नव प्रदेश।

खंडवा।सावन माह में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। ग्राम टिठिया एवं बगमार से ओंकारेश्वर के लिए निकली भव्य कांवड़ यात्रा का इंदौर रोड पर विधायक कंचन मुकेश तनवे के प्रतिनिधि एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता मुकेश तनवे द्वारा भव्य स्वागत किया गया। पुष्पवर्षा कर किया स्वागत-इस दौरान 100 से अधिक कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। कांवड़ियों को फल एवं जलपान भी कराया गया। यात्रा में छोटे-छोटे बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे मार्ग पर बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष से वातावरण शिवमय हो गया। विधायक प्रतिनिधि ने दी शुभकामनाएं-विधायक प्रतिनिधि श्री मुकेश तनवे जी ने सभी कांवड़ियों की मंगलमय एवं सफल यात्रा की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था और श्रद्धा से निकली यह कांवड़ यात्रा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की जीवंत मिसाल है। टिठिया से कांवड़ में गंगाजल लेकर निकले श्रद्धालु ओंकारेश्वर पहुंचकर भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग का जलाभिषेक करेंगे। इस अवसर पर सतनाम सिंह होरा, बलदेव मौर्य, अरुण पटेल, दिलीप पटेल, यशदीप चोरे, अशोक पटेल, गुड्डू यादव, मुकेश यादव सहित भाजपा के अनेक नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कांवड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं के उत्साह और भक्ति ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।

खंडवा के विकास के लिए महापौर अमृता अमर यादव की सक्रिय पहल, आयुक्त के सामने रखे करोड़ों के प्रस्ताव

खंडवा। नव प्रदेश। शहर के विकास को गति देने और शासन स्तर पर लंबित महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने के लिए महापौर अमृता अमर यादव ने खंडवा पहुंचे नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आयुक्त संकेत भोंडवे से मुलाकात कर खंडवा के विकास से जुड़े कई प्रस्ताव उनके सामने रखे। समाज सेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि महापौर अमृता अमर यादव ने शहर के चोमौखी विकास के लिए ने विभिन्न परियोजनाओं की स्वीकृति एवं वित्तीय मंजूरी के लिए आयुक्त श्री भोंडवे को पत्र सौंपकर शासन स्तर पर शीघ्र कार्रवाई का आग्रह किया।

पीपीपी मॉडल पर तीन बड़े प्रोजेक्ट-महापौर ने नगर निगम की भूमि पर सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल से प्रस्तावित तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मंजूरी देने की मांग की। इनमें 11 हेक्टेयर भूमि पर एकीकृत टाउनशिप, 44,672 वर्गमीटर भूमि पर खंडवा सेंट्रल मॉल और 2 हेक्टेयर भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत किफायती आवास परियोजना शामिल है।

23.05 करोड़ की तीन सड़कों के लिए वित्तीय मंजूरी मांगी- शहर की यातायात व्यवस्था और सड़क अधोसंरचना को बेहतर बनाने के लिए तीन प्रमुख सड़कों के लिए कुल 23.05 करोड़ रुपए की वित्तीय स्वीकृति की मांग की गई है। इनमें शिवाजी चौक से जिला अस्पताल, घंटाघर, मुंबई बाजार होते हुए रेलवे स्टेशन तक मार्ग।रामेश्वर पुलिया से बड़ा बम चौक होते हुए तीन पुलिया तक मार्ग।जलेबी चौक से धर्म कांटा तक सड़क निर्माण।महापौर अमृता यादव के अनुसार इन कार्यों की तकनीकी स्वीकृति पहले ही मिल चुकी है, जबकि वित्तीय स्वीकृति लंबित है।

47.22 करोड़ से मजबूत होगी पेयजल व्यवस्था-प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि महापौर अमृता यादव ने बढ़ती आबादी और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए शहर की पेयजल व्यवस्था के लिए 47.22 करोड़ रुपए की अधोसंरचना स्वीकृति का प्रस्ताव रखा गया। इसमें नए जलस्रोत, क्लोरीनेशन सिस्टम, ओवरहेड टैंक, फीडर मेन लाइन और वितरण नेटवर्क के विस्तार जैसे कार्य शामिल हैं।

अटल सरोवर और लाल चौकी फिल्टर प्लांट के लिए 7 करोड़-शहर की जल शोधन क्षमता बढ़ाने के लिए अटल सरोवर जल शुद्धिकरण संयंत्र और लाल चौकी फिल्टर प्लांट के पुनर्निर्माण के लिए 7 करोड़ रुपए की स्वीकृति मांगी गई है। महापौर ने कहा कि इन संयंत्रों की क्षमता बढ़ने से शहर को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सड़क के साथ चौराहों का भी होगा विकास-समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि महापौर अमृता यादव ने मुख्य सड़कों को सीसी रोड के रूप में विकसित करने के साथ ही प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण, यातायात व्यवस्था और अधोसंरचना विकास को भी योजना में शामिल करने का आग्रह किया। उनका कहना है कि सड़क निर्माण के साथ चौराहों का व्यवस्थित विकास शहर की सुंदरता और पहचान को भी बेहतर बनाएगा।

महापौर बोलीं- वर्तमान के साथ भविष्य की जरूरतों पर भी फोकस-महापौर अमृता अमर यादव ने कहा कि खंडवा के विकास को लेकर शासन और प्रशासन स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क, पेयजल, आवास, अधोसंरचना और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्यों को गति देना प्राथमिकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आयुक्त के समक्ष रखे गए प्रस्तावों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय होगा और खंडवा को विकास की नई सौगात मिलेगी।

भक्ति भाव से निकली पद कावड़ यात्रा

राई।नव प्रदेश। बाबा रामेश्वर महादेव मंदिर ग्राम जमुनिया खुर्द से शिव भक्तों की भव्य पद कावड़ यात्रा गांव में भ्रमण करते हुए राई-खेड़ी, भामगढ, अमलपुरा, जावर, अटूट खास से ओंकारेश्वर मंदिर पहुंचेगी यहां पर शिव भक्तों के द्वारा जल अभिषेक किया जाएगा यात्रा में सम्मिलित शिव भक्त राहुल नायक ने बताया कि यहां कावड़ यात्रा का द्वितीय वर्ष है जो पूर्ण भक्ति भाव के साथ निकली है इस यात्रा में शिव भक्त पदयात्रा करते हुए चार दिनों में ओंकारेश्वर पहुंच कर ओंकारेश्वर मंदिर में जल अभिषेक करेंगे यात्रा के दौरान भव्य झांकी भी तैयार की गई है यात्रा का जगह-जगह ग्रामीणों द्वारा स्वागत किया जा रहा है पुलिस प्रशासन के द्वारा भी सहयोग मिल रहा है.

विधिवत पूजन-अर्चन और संतों का आशीर्वाद लेने के बाद कांवड़िए नर्मदा जल लेकर खंडवा की ओर रवाना हुए

खंडवा।नव प्रदेश।

खंडवा/ओंकारेश्वर। शनिवार सुबह ओंकारेश्वर में मां नर्मदा के पावन तट पर श्रद्धा और भक्ति का अलग ही नजारा देखने को मिला। 'जय हिंदू राष्ट्र कांवड़ यात्रा' में शामिल हजारों कांवडिए भगवा वस्त्र धारण कर नर्मदा के विभिन्न घाटों पर पहुंचे। विधिवत पूजन-अर्चन और संतों का आशीर्वाद लेने के बाद कांवड़िए नर्मदा जल लेकर खंडवा की ओर रवाना हुए। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी महादेवगढ़ मंदिर संरक्षक अशोक पालीवाल के मार्गदर्शन में जय हिंदू राष्ट्र कांवड़ यात्रा तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर से पूजा अर्चना एवं संतों के आशीर्वाद के पश्चात रवाना हुई, यात्रा की शुरुआत ओंकारेश्वर के गणेश नगर बस स्टैंड से हुई। यहां सबसे पहले महादेवगढ़ मंदिर के पुजारी पंडित

अश्विन खेड़े ने कांवड़ियों के साथ सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ कराया। इसके बाद भगवा ध्वज का पूजन और संत-ब्राह्मण पूजन किया गया।

संतों ने कांवड़ियों को दिया आशीर्वाद-कार्यक्रम में षट्दर्शन मंडल ओंकारेश्वर से श्री मंगलदास जी महाराज, महंत श्री रामदास जी महाराज और महामंडलेश्वर स्वामी श्री श्याम चेतनपुरी जी महाराज मौजूद रहे। संतों ने कांवड़ियों को यात्रा के लिए शुभकामनाएं देते हुए आशीर्वचन प्रदान किए। इसके बाद यात्रा में शामिल कांवड़ों का विधिवत पूजन किया गया। इस वर्ष यात्रा में 1 लीटर से लेकर 11, 21, 51, 101, 151 और 501 लीटर तक नर्मदा जल की कांवड़ शामिल हैं। आकर्षक रूप से सजाई गई कांवड़ें यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं और राहगीरों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं।

'युवा आगे आएं और मां भारती को परम वैभव तक पहुंचाने का लें संकल्प'-महादेवगढ़ मंदिर के संरक्षक अशोक पालीवाल ने कांवड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने की दिशा में युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के साथ ही मां भारती को परम वैभव तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कांवड़ियों से आग्रह किया कि नर्मदा जल भगवान महादेव को अर्पित करने के बाद महादेवगढ़ में चल रहे श्री हनुमत शक्ति जागरण महाअनुष्ठान में हनुमान चालीसा पाठ के माध्यम से अपनी आहुति दें।

छोटे बच्चों से बुजुर्ग तक यात्रा में शामिल-समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि कांवड़ यात्रा में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रा के सबसे आगे संदीप धोपे भगवा ध्वज लेकर चल रहे हैं। यात्रा में शामिल कांवड़ियों में उत्साह और धार्मिक आस्था का माहौल नजर आया। कांवड़ यात्रा के पूजन कार्यक्रम में संयोजक चाहत सिंह तोमर, संकेत जोशी, कुश पालीवाल, विशाल पासी, मनीष पालीवाल, अजय पटेल, शुभम पटेल, अजय राजपूत, महिपाल सिंह, गोलू सिसोदिया, आनंद पटेल और जितेंद्र गौड़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं श्रद्धालु मौजूद रहे।

दौड़वा में हुआ रात्रि विश्राम-'जय हिंदू राष्ट्र कांवड़ यात्रा' ओंकारेश्वर से प्रारंभ होकर शनिवार को ग्राम दौड़वा पहुंची जहां कांवड़ियों का रात्रि विश्राम हुआ। आज रविवार सुबह यात्रा खंडवा के लिए प्रस्थान करेगी। यात्रा के दौरान श्रद्धालु मां नर्मदा का जल लेकर भगवान महादेव का जलाभिषेक करेंगे।

सिंहस्थ-2028 की तैयारीः खंडवा पुलिस अब हार्टफुलनेस से करेगी तनाव मुक्त ड्यूटी

खंडवा।नव प्रदेश।

खंडवा। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के मद्देनजर खंडवा पुलिस बल को मानसिक रूप से सशक्त बनाने के लिए हार्टफुलनेस संस्था के सहयोग से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को तनावमुक्त रखना और उनकी कार्यक्षमता बढ़ाना है। यह महत्वपूर्ण प्रशिक्षण 1 जून 2026 से 26 दिसंबर 2026 तक निरंतर चलेगा। इसके तहत हर सप्ताह जिले के लगभग 5त्न पुलिस स्टाफ को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि संपूर्ण बल लाभान्वित हो सके।हार्टफुलनेस संस्था खंडवा केंद्र के प्रशिक्षक जीतेन्द्र वर्मा जितु , डॉ. अक्षत वर्मा, विवेक पाटीदार, श्रीमती स्मृति गौर और डॉ. भागवत लोखंडे द्वारा पुलिसकर्मियों को ध्यान और रिलैक्सेशन मानसिक शांति के लिए प्रार्थना सकारात्मक ऊर्जा के लिए आंतरिक सफाई (क्लीनिंग) तनाव और भारीपन दूर करने की वैज्ञानिक विधि का अभ्यास कराया जा रहा है।

प्रशिक्षण में पुलिसकर्मियों को बताया जा रहा है कि कैसे इन सरल विधियों को दैनिक जीवन में अपनाकर वे बिना मानसिक दबाव, अधिक एकाग्रता और दक्षता के साथ ड्यूटी कर सकते हैं।

आम जनता के लिए भी निःशुल्क-प्रशिक्षक जीतेन्द्र वर्मा एवं समाजसेवी नारायण बाहेती, सुनील जैन ने खंडवा की आम जनता से अपील की है कि वे भी मानसिक शांति और तनावमुक्ति के लिए हार्टफुलनेस ध्यान अपनाएं। यह सेवा पूरी तरह निःशुल्क है। प्रशिक्षण में शामिल पुलिस अधिकारियों ने इसे जीवनोपयोगी और अत्यंत उपयोगी बताया है।

फ्लोराइड युक्त पानी से दांत खराब, बच्चों को दी गई बचाव की जानकारी

किल्लौद, खंडवा। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरकेएसके) के तहत उमंग स्वास्थ्य केंद्र किल्लौद द्वारा शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय किल्लौद में जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया।किल्लौद क्षेत्र के कुछ गांवों में अधिक फ्लोराइड युक्त पानी के कारण बच्चों में दांतों की समस्या बढ़ रही है। इसे देखते हुए उमंग काउंसलर संजय कुमार सिरसाटे ने बच्चों को डेंटल फ्लोरोसिस के लक्षण, कारण, बचाव और उपचार की विस्तृत जानकारी दी।

आयुक्त संकेत भोंडवे का खंडवा दौराः 25 हजार पौधरोपण, हरित-स्वच्छ खंडवा बनाने पर जोर

खंडवा/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत नगरीय प्रशासन आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने शुक्रवार को खंडवा का दौरा किया। उन्होंने हरित विकास, स्वच्छता, नगरीय अधोसंरचना और नागरिक सुविधाओं की समीक्षा की।हरित खंडवा पर फोकस-आयुक्त ने नमोवन में 25 हजार पौधरोपण कराया।स॥त्न महिलाओं ने उनका स्वागत किया। उन्होंने ग्रीन कैडर बनाने, और मियावाकी पद्धति से एक नगर-एक जंगल विकसित करने के निर्देश दिए। महापौर अमृता अमर यादव ने कहा कि नागरिक कभी भी नमोवन में पौधरोपण कर सकते हैं।

निगम भवन से लेकर स्वच्छता तक निर्देश-नवीन निगम भवन में वर्टिकल गार्डन, थीम आधारित कक्ष और रूफटॉप जिम बनाने को कहा। स्वीमिंग पूल की साफ-सफाई की सराहना की। लीगेसी वेस्ट के लिए 200 टन/घंटा क्षमता की मशीनें मंगाने और लापरवाह फर्म पर 10त्न जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। स्ट्रे डॉग्स के लिए जिला स्तरीय शेल्टर बनाने का प्रस्ताव भी रखा।

परिवहन और पर्यटन-पुराने बस स्टैंड को रेलवे स्टेशन से जोड़ने और शहर में श्वङ्क चार्जिंग स्टेशन बनाने के निर्देश दिए। झीलोद्यान में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट और दिव्यांग पार्क विकसित करने को कहा।

जनविश्वास अभियान की बैठक-कलेक्टर सभागार में हुई बैठक में क्करूस्ङ्कहृद्धस्रद्धद्ब, क्कस्ङ्क, कायाकल्प, जल-सीवरेज योजनाओं की समीक्षा हुई। आयुक्त ने लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और योजनाओं का लाभ सीधे नागरिकों तक पहुंचाने पर जोर दिया। बैठक में प्रभारी कलेक्टर नागार्जुन गौड़ा, निगम आयुक्त प्रियंका राजावत, महापौर, जनप्रतिनिधि और सभी निकायों के ष्टरूह्र मौजूद रहे।

मध्यप्रदेश पुलिस का साइबर नवाचार राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित

FutureCrime Summit 2026 में भोपाल साइबर क्राइम के उप निरीक्षक भरतलाल प्रजापति को 'Excellence in Cyber Policing' अवार्ड

भोपाल/नवप्रदेश। साइबर अपराध आज कानून-व्यवस्था के सामने तेजी से उभरती नई चुनौती है। तकनीक के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर ठगी, डिजिटल अपराध एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी के नए-नए तरीके सामने आ रहे हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा एक ओर जहां लगातार जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराध की जांच को अधिक प्रभावी बनाने के लिए तकनीक एवं नवाचार का उपयोग भी निरंतर बढ़ाया जा रहा है।

इसी दिशा में मध्यप्रदेश पुलिस की साइबर पुलिसिंग में किए जा रहे नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। भोपाल साइबर क्राइम में पदस्थ उप निरीक्षक श्री भरतलाल प्रजापति को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 6 एवं 7 अगस्त को आयोजित FutureCrime Summit 2026 के दौरान Future Crime Research Foundation (FCRF) द्वारा 'FCRF E&cellence Award 2026 – Excellence in Cyber Policing' से सम्मानित किया गया।

प्रजापति को यह सम्मान 'Investigation Camp' के विकास तथा साइबर पुलिसिंग एवं डिजिटल इन्वेस्टिगेशन में तकनीक के प्रभावी उपयोग के लिए प्रदान किया गया है। Investigation Camp का उद्देश्य वास्तविक जांच के दौरान सामने आने वाली तकनीकी चुनौतियों को समझकर उनके लिए ऐसे व्यावहारिक एवं तकनीक आधारित समाधान विकसित करना है, जिनका

उपयोग जांच अधिकारी जमीनी स्तर पर आसानी से कर सकें।

तकनीक आधारित जांच को सरल और प्रभावी बनाने की पहल

साइबर अपराधों की जांच में डिजिटल साक्ष्य, तकनीकी विश्लेषण और विभिन्न डिजिटल माध्यमों से प्राप्त जानकारी का महत्वपूर्ण योगदान होता है। Investigation Camp के माध्यम से जांच अधिकारियों के सामने आने वाली ऐसी व्यावहारिक समस्याओं के समाधान विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे साइबर एवं डिजिटल अपराधों की जांच को अधिक व्यवस्थित, त्वरित और प्रभावी बनाया जा सके। यह सम्मान किसी एक अधिकारी की उपलब्धि मात्र नहीं, बल्कि वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन एवं साइबर क्राइम टीम के सामूहिक प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान है। जनजागरूकता से लेकर तकनीकी नवाचार तक–साइबर अपराध के विरुद्ध बहुआयामी प्रयास मध्यप्रदेश पुलिस साइबर अपराध से निपटने के लिए रोकथाम, जनजागरूकता, त्वरित रिपोर्टिंग, तकनीकी जांच और कार्रवाई–इन सभी स्तरों पर लगातार कार्य कर रही है। साइबर अपराधों से बचाव के लिए वर्ष 2025 में 'सेफ क्लिक' अभियान के माध्यम से नागरिकों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। इसके क्रम को आगे बढ़ाते हुए वर्ष 2026 में 'सेफ क्लिक 2.0' अभियान संचालित किया गया है, जिसके माध्यम से नागरिकों, विद्यार्थियों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों एवं विभिन्न वर्गों को ऑनलाइन ठगी से बचाव, डिजिटल सुरक्षा तथा साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाने के संबंध में जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में नागरिकों को साइबर अपराध की शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया को अधिक सुगम और त्वरित बनाने की दिशा में ई-जीरो एफआईआर जैसी पहल भी शुरू की गई है। इसका उद्देश्य तकनीक के माध्यम से नागरिकों को पुलिस सेवाओं से अधिक सहजता से जोड़ना तथा साइबर अपराध की सूचना एवं कार्रवाई की प्रक्रिया को प्रभावी बनाना है। बदलते साइबर अपराध के साथ पुलिसिंग में भी निरंतर बदलाव

साइबर अपराधी लगातार नए तरीकों और तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में पुलिसिंग को भी पारंपरिक तरीकों तक सीमित न रखते हुए तकनीक, डिजिटल फॉरेंसिक, डेटा एनालिसिस, साइबर इंटेलिजेंस एवं नवाचार के माध्यम से लगातार सशक्त किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश पुलिस का प्रयास है कि नागरिक साइबर अपराध का शिकार होने से पहले ही सतर्क हों और अपराध घटित होने की स्थिति में बिना देरी पुलिस तक पहुंचें। इसी उद्देश्य से जनजागरूकता अभियानों के साथ-साथ साइबर अपराधों की जांच एवं कार्रवाई की क्षमता को भी लगातार मजबूत किया जा रहा है।

भोपाल के गली–मोहल्ले में होगी प्रॉपर्टी की जांच: 21 जोन में उतरेंगी टीम, घर में कारोबार मिला तो मौके पर नोटिस

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल में रिहायशी मकानों के व्यावसायिक इस्तेमाल की जांच अब पूरे शहर में होगी। नगर निगम 21 जोन में टीमें भेजकर गली-मोहल्लों और कॉलोनियों तक सर्वे करेगा। करीब एक लाख संपत्तियों के व्यावसायिक उपयोग का अनुमान है। 10 से 15 दिन में सर्वे पूरा कर नियम उल्लंघन पर मौके पर नोटिस दिया जाएगा। 15 सितंबर तक सुप्रीम कोर्ट में कार्रवाई की रिपोर्ट पेश करनी है। रिहायशी मकानों में चल रही व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर अब नगर निगम पूरे भोपाल का सर्वे कराने जा रहा है। शहर के किसी एक इलाके या प्रमुख बाजार तक कार्रवाई सीमित नहीं रहेगी, बल्कि 21 जोन में टीमें बनाकर गली-मोहल्लों से लेकर बड़ी कॉलोनियों और मुख्य सड़कों तक संपत्तियों की जांच की जाएगी। नगर निगम के प्रारंभिक आकलन में करीब एक लाख ऐसी संपत्तियां सामने आई हैं, जहां आवासीय भवनों में किसी न किसी रूप में कारोबार संचालित होने की आशंका है। इनमें ब्यूटी पार्लर, सैलून, किराना दुकान, कोचिंग, क्लीनिक, बुटीक और अन्य व्यावसायिक गतिविधियां शामिल हैं।

कांग्रेस बोली- रहवासी और व्यापारी दोनों भुगत रहे खामियाजा

पूर्व मंत्री कांग्रेस नेता पीसी शर्मा ने भोपाल के मास्टर प्लान को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि मास्टर प्लान के मामले में भ्रष्टाचार हुआ है। कांग्रेस सरकार के समय मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया था, लेकिन भाजपा सरकार ने इसे रोक दिया। पीसी शर्मा ने कहा कि मास्टर प्लान लागू नहीं होने का असर अब शहर की व्यवस्था पर दिखाई दे रहा है। रहवासी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ गई हैं और अब नगर निगम की कार्रवाई के बीच रहवासी और व्यापारी दोनों परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला तो कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर बड़ा आंदोलन करेगी।

10 से 15 दिन में पूरा करने का लक्ष्य

नगर निगम ने सर्वे को तेजी से पूरा करने की तैयारी की है। इसके लिए सभी 21 जोन में विशेष दल बनाए गए हैं। अधिकारियों के अनुसार करीब 10 से 15 दिन में सर्वे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। टीमें मौके पर जाकर देखेंगी कि भवन का स्वीकृत उपयोग क्या है और वास्तविकता में वहां किस तरह की गतिविधि संचालित हो रही है। संपत्ति कर के रिकॉर्ड से भी इसका मिलान किया जाएगा।

सड़क की चौड़ाई से लेकर जल निकाय तक जांच

सिर्फ भवन के इस्तेमाल की जांच ही नहीं होगी। निगम सड़क की चौड़ाई, भवन की अनुमति और आसपास की स्थिति का भी सत्यापन करेगा। जल निकायों और हरित पट्टी वाले क्षेत्रों में स्थित संपत्तियां भी सर्वे के दायरे में रहेंगी। निगम का मकसद यह पता लगाना है कि कितनी संपत्तियां नियमों के अनुसार व्यावसायिक उपयोग में हैं और कितने मामलों में बिना अनुमति आवासीय भवनों में कारोबार किया जा रहा है।

मौके पर ही दिया जाएगा नोटिस

सर्वे के दौरान यदि किसी भवन में नियमों के विपरीत व्यावसायिक गतिविधि पाई गई तो संबंधित संपत्ति मालिक को मौके पर ही नोटिस देने की तैयारी है। निगम के रिकॉर्ड में फिलहाल करीब 65 हजार व्यावसायिक संपत्तियां दर्ज हैं, जबकि बड़ी संख्या में ऐसी संपत्तियां भी होने का अनुमान है, जहां कारोबार तो चल रहा है, लेकिन व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं ली गई। निगम की कार्रवाई आगे बढ़ने पर ऐसे मामलों में सीलिंग तक की कार्रवाई हो सकती है।

15 सितंबर तक सुप्रीम कोर्ट में देनी है रिपोर्ट

आवासीय भवनों के व्यावसायिक उपयोग का मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच चुका है। 5 अगस्त की सुनवाई के बाद कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम को 15 सितंबर तक अब तक की कार्रवाई की रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत करनी है। इसी समयसीमा को देखते हुए शहरभर में सर्वे की प्रक्रिया तेज की गई है। अब तक कार्रवाई को लेकर जिन प्रमुख बाजारों और सड़कों की चर्चा होती रही है, उससे आगे बढ़कर निगम की नजर रिहायशी कॉलोनियों पर भी रहेगी। यानी किसी बड़े व्यावसायिक क्षेत्र के साथ घर से संचालित छोटा कारोबार भी सर्वे में सामने आया तो उसकी स्थिति की जांच की जाएगी। इस सर्वे के बाद निगम के पास शहर में रिहायशी संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल का नया और विस्तृत रिकॉर्ड तैयार होगा। इसी आधार पर आगे नोटिस, उपयोग परिवर्तन और कार्रवाई की प्रक्रिया तय की जा सकती है।

सीएम हाउस घेराव की चेतावनी

टैक्सी किराए पर अब सीधी लड़ाई: चालक संगठनों ने 15 अगस्त से आंदोलन का किया ऐलान

भोपाल/नवप्रदेश। टैक्सी किराया तय करने की मांग को लेकर भोपाल के चालक आंदोलन की तैयारी में हैं। 15 अगस्त को बोट क्लब से लालघाटी तक रैली निकाली जाएगी। इसके बाद 18 से 20 अगस्त के बीच प्रदेशभर के चालक भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास के घेराव की तैयारी करेंगे। चालकों की मांग है कि आधार किराया, समय शुल्क और प्रति किलोमीटर दर तय की जाए। टैक्सी का किराया तय करने की मांग को लेकर राजधानी के टैक्सी चालक अब सरकार पर दबाव बढ़ाने की तैयारी में हैं। एग्रीगेटर कंपनियों की किराया व्यवस्था और कम कमाई का मुद्दा उठाते हुए टैक्सी संगठनों ने चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान किया है। 15 अगस्त को शहर में बड़ी रैली निकाली जाएगी, जबकि 18 से 20 अगस्त के बीच प्रदेशभर के चालक भोपाल पहुंचकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। शनिवार को चिनार पार्क में टैक्सी चालक संगठनों की बैठक में आंदोलन की रणनीति तय की गई। संगठन का कहना है कि जब तक सरकार टैक्सी किराए को लेकर स्पष्ट नीति लागू नहीं करती, तब तक आंदोलन खत्म नहीं किया जाएगा।

सिर्फ किलोमीटर के हिसाब से भुगतान का विरोध

टैक्सी चालकों का कहना है कि मौजूदा व्यवस्था में उन्हें वाहन चलाने की वास्तविक लागत के अनुरूप भुगतान नहीं मिल रहा है। ईंधन, वाहन की किस्त, मरम्मत, बीमा और अन्य खर्च लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन किराया तय करने की कोई स्पष्ट सरकारी व्यवस्था नहीं है। संगठन चाहता है कि हर सवारी के लिए न्यूनतम आधार किराया तय किया जाए। इसके साथ यात्रा में लगने वाले समय और तय दूरी के आधार पर अलग भुगतान हो। प्रस्ताव के मुताबिक 50 से 60 रुपए आधार किराया, 1 से 1.50 रुपए प्रति मिनट समय शुल्क और वाहन की श्रेणी के अनुसार 22 से 30 रुपए प्रति किलोमीटर दर तय की जाए। आंदोलन के पहले चरण में 15 अगस्त को बोट क्लब से लालघाटी तक रैली निकालने की तैयारी है। संगठन के मुताबिक इसमें बड़ी संख्या में टैक्सी चालक शामिल होंगे। रैली को शांतिपूर्ण तरीके से निकालकर सरकार तक अपनी मांग पहुंचाने की योजना है। इसके बाद प्रदेशभर से टैक्सी चालकों को भोपाल बुलाकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

18 से 20 अगस्त के बीच होगा शक्ति प्रदर्शन

टैक्सी संगठनों के मुताबिक 18 से 20 अगस्त के बीच प्रदेश स्तरीय आंदोलन किया जाएगा। इसमें भोपाल के साथ इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर समेत अन्य शहरों से एग्रीगेटर कंपनियों से जुड़े चालक शामिल हो सकते हैं। संगठन ने मुख्यमंत्री आवास के घेराव की चेतावनी दी है। पदाधिकारियों का कहना है कि यदि आंदोलन शुरू होने से पहले सरकार ने किराया नीति पर फैसला नहीं लिया तो बड़ी संख्या में चालक भोपाल में जुटेंगे।

निजी वाहनों से टैक्सी संचालन पर भी नाराजगी

चालकों ने निजी नंबर वाले वाहनों के व्यावसायिक इस्तेमाल और अवैध बाइक टैक्सी के संचालन का मुद्दा भी उठाया है। उनका आरोप है कि ऐसे वाहनों की वजह से नियमों के तहत टैक्सी चलाने वाले चालकों की कमाई प्रभावित हो रही है। संगठन ने सरकार से एग्रीगेटर कंपनियों की निगरानी बढ़ाने और नियमों के विपरीत संचालित वाहनों पर कार्रवाई की मांग की है।

जून में एयरपोर्ट राइड का बहिष्कार कर चुके हैं

टैक्सी चालक इससे पहले 23 से 25 जून तक एयरपोर्ट जाने वाली राइड का बहिष्कार कर चुके हैं। संगठन का दावा है कि उस आंदोलन के बाद कंपनियों ने किराए में कुछ बदलाव किया था, लेकिन बाद में व्यवस्था फिर पहले जैसी हो गई। इसके बाद टैक्सी संगठनों ने परिवहन मंत्री से मुलाकात कर किराया तय करने सहित अन्य मांगें रखी थीं। अब मांगों पर ठोस फैसला नहीं होने के बाद आंदोलन को प्रदेश स्तर पर ले जाने की तैयारी की गई है।

पूर्व जज गिरिबाला सिंह के जमानत आवेदन पर सुनवाई सोमवार को, 11 अगस्त है न्यायिक हिरासत

भोपाल/नवप्रदेश। भोपाल की पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने बहू त्विषा शर्मा आत्महत्या मामले में हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर की है। याचिका में उम्र, स्वास्थ्य और ठोस साक्ष्यों के अभाव का हवाला दिया गया है। मामले की सुनवाई सोमवार को संभावित है, जबकि दोनों आरोपी 11 अगस्त तक न्यायिक हिरासत में हैं। भोपाल की पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरिबाला सिंह ने जमानत के लिए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का रुख किया है। उनकी जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई होने की संभावना है। याचिका में उम्र, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और

प्रकरण में उनके खिलाफ ठोस साक्ष्य नहीं होने का हवाला देते हुए जमानत देने का आग्रह किया गया है। गौरतलब है कि गिरिबाला सिंह की बहू त्विषा शर्मा ने 12 मई को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मामले में पुलिस ने गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया था। प्रारंभिक चरण में पूर्व न्यायाधीश को अग्रिम जमानत मिल गई थी, लेकिन इसके खिलाफ हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। साथ ही मृतका का दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग को लेकर भी याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की टीम से दोबारा पोस्टमार्टम कराने का आदेश दिया था। इसके साथ ही पूर्व न्यायाधीश को मिली अग्रिम जमानत भी निरस्त कर दी थी। बाद में राज्य सरकार ने मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी। सीबीआई ने गिरिबाला सिंह को गिरफ्तार कर पूछताछ की और न्यायालय के आदेश पर उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

तेंदुए के अवैध शिकार एवं तस्करी मामले में एमपी एसटीएसएफ ने 8वें शिकारी को किया गिरफ्तार

तेंदुए का कंकाल सहित अन्य अंग और शिकार में प्रयुक्त फंदे बरामद

भोपाल/नवप्रदेश। राज्य में वन्यजीव तेंदुए के अवैध शिकार एवं तस्करी के संगठित गिरोह के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान में मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने एक और आरोपी शिकारी को गिरफ्तार किया है। उत्तरप्रदेश के आगरा से 23 जुलाई को पकड़े गये इस शिकारी गिरोह का यह आठवां सदस्य है। आरोपी के कब्जे से तेंदुए का कंकाल, दूसरे अंग और शिकार में प्रयुक्त फंदे बरामद किए गये हैं। अंतर्राज्यीय शिकार एवं तस्करी गिरोह के विरुद्ध यह एसटीएसएफ के विशेष अभियान में 23 जुलाई 2026 को उत्तरप्रदेश के आगरा में तेंदुए की 10 खालों के साथ शिकारी तस्करों को पकड़ा गया था। प्रकरण के तार मध्यप्रदेश से जुड़े पाए जाने पर एसटीएसएफ मध्यप्रदेश और स्थानीय वन अमले की संयुक्त टीमों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे और निशानदेही से बड़ी मात्रा में तेंदुए के अवयव बरामद किए गए तथा दो वन अपराध प्रकरण दर्ज किए गए। गिरफ्तार आरोपियों को विशेष न्यायालय, शिवपुरी से फॉरेस्ट रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। आरोपियों की निशानदेही पर श्योपुर जिले से तेंदुए के दो और अंग और शिकार में प्रयुक्त दो लेग होल्ड ट्रैप बरामद किए गए।

राजेंद्र माथुर की पत्रकारिता में गांधी के विचारों की झलक, वक्ता बोले- आज भी उनके मूल्यों से सीखने की जरूरत

भोपाल/नवप्रदेश। राजेंद्र माथुर की 91वीं जयंती पर भोपाल के गांधी भवन में 'माथुर के महात्मा' विषय पर व्याख्यान हुआ। वरिष्ठ पत्रकारों ने उनकी पत्रकारिता और गांधी के विचारों से मिले उनके मूल्यों को याद किया।

हिंदी पत्रकारिता के प्रख्यात संपादक और चिंतक राजेंद्र माथुर की 91वीं जयंती पर भोपाल के गांधी भवन न्यास में शुक्रवार को 'माथुर के महात्मा' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकारों और वक्ताओं ने राजेंद्र माथुर की पत्रकारिता, उनके विचारों और महात्मा गांधी से प्रभावित उनके दृष्टिकोण को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि माथुर

के लिए पत्रकारिता केवल खबर देने का माध्यम नहीं, बल्कि सत्य को सामने लाने और समाज को लोकतांत्रिक रूप से मजबूत करने का माध्यम थी। कार्यक्रम की शुरुआत राजेंद्र माथुर के अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर आधारित एक दुर्लभ साक्षात्कार के प्रदर्शन से हुई। इसके बाद महात्मा गांधी और राजेंद्र माथुर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई।

'पत्रकारिता का सबसे बड़ा धर्म सत्य को सामने लाना'

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संपादक प्रकाश दुबे ने कहा कि राजेंद्र माथुर पत्रकारिता का सबसे बड़ा धर्म सत्य को निर्भीकता और निर्ममता से सामने लाना मानते थे। उनके व्यक्तित्व में सहजता और वैचारिक दृढ़ता का अद्भुत मेल था। इसकी प्रेरणा उन्हें महात्मा गांधी से मिली थी। उन्होंने माथुर और गांधी से जुड़े कई प्रसंग भी साझा किए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने कहा कि राजेंद्र माथुर आदर्श संपादक थे, लेकिन उनके कई महत्वपूर्ण सपने आज भी अधूरे हैं। वे हिंदी में मजबूत पाठक समाज, पत्रकारिता के विकेंद्रीकरण, भारतीय भाषाओं में सशक्त समाचार-पत्रों और एक सर्वांगीण अखबार की परिकल्पना को साकार करना चाहते थे। इन सपनों को आगे बढ़ाना आज की पीढ़ी की जिम्मेदारी है।

'अखबार समाज से संवाद का हथियार था'

मुख्य वक्ता एवं वरिष्ठ संपादक प्रकाश हिंदुस्तानी ने कहा कि माथुर के लिए अखबार सिर्फ सूचना देने का माध्यम नहीं था, बल्कि समाज से संवाद का सशक्त माध्यम था।

विश्व आदिवासी दिवस

आदिवासी विरासत को सहेज कर विकास गढ़ना होगा

डॉ. संजय शुक्ला

हर साल 9 अगस्त को भारत सहित दुनिया भर में ÷ विश्व आदिवासी दिवस÷ पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष इस दिवस की थीम ÷ आदिवासी दाइयों का सम्मान, जीवन और कल्याण की रक्षा÷ रखा गया है। इसका उद्देश्य आदिवासी समुदाय में दाइयों द्वारा पीढ़ियों से सहेजे गए स्वास्थ्य ज्ञान और संस्कृति का सम्मान है। इस थीम का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जनजातीय दाइयों के योगदान को रेखांकित करना है। बिलाशक आदिवासी समुदाय में स्वास्थ्य को लेकर सदियों से परंपरागत ज्ञान रहा है बल्कि उन्हें वनौषधियों का सर्वोत्तम ज्ञान और अनुभव है। आज जरूरत भारत के इस जनजातीय ज्ञान परंपरा को संरक्षित और संवर्धित करने की है आखिरकार यह बौद्धिक संपदा से जुड़ा मसला है।इतिहास पर गौर करें तो साल 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा इस दिवस की शुरुआत की गई। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य जनजातीय समुदायों के अधिकारों, संस्कृति और भाषा को संरक्षित करते हुए उनका सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण करना है।

आधुनिक विकास की आंधी में जब आदिवासी संस्कृति, विरासत और परम्पराओं को तहस-नहस करने के लिए आमादा है तब इस दिवस की सार्थकता और उद्देश्य पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। गौरतलब है कि भारत जैसे चुनावी राजनीति वाले देश में 2011 के जनगणना के मुताबिक आदिवासियों की आबादी का 8.6 फीसदी है। यह आबादी अनेक राज्यों के सियासत और चुनाव परिणामों को प्रभावित करने का ताकत रखती है। आदिवासियों की प्रभावी जनसंख्या के चलते हर सियासी दल इस ' वोटबैंक' को साधने के लिए हरसंभव कोशिश करते हैं। सरकार के साथ ही आदिवासियों के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती उनकी सदियों पुरानी विरासत को सहेज कर विकास योजनाओं को क्रियान्वित करना है। दरअसल आदिवासी विकास के विरोधी नहीं हैं बल्कि वे ऐसा विकास चाहते हैं जिसमें उनकी सदियों पुरानी साझा विरासत जल, जंगल, जमीन और लोक संस्कृति, नृत्य , कला, परंपरा, भाषा, शिल्प कला , धार्मिक प्रथाएं और रीति-रिवाज सुरक्षित रहें।

देश की आजादी के बाद सरकारों ने जनजातीय समुदायों के विकास, कल्याण और सशक्तिकरण के लिए दर्जनों योजनाएं लागू की है बावजूद यह समाज अभी भी विकास के कैनवास पर हाशिए पर है। दुर्गम इलाकों के आदिवासी अभी भी अशांति, गरीबी, अशिक्षा, कुपोषण, जबरिया भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और मानवाधिकारों के उत्पीड़न से जूझ रहा है। अहम सवाल यह कि आखिरकार आजादी के आठ दशकों बाद भी देश का आदिवासी राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक शोषण का शिकार क्यों हो रहा है? सीधे तौर पर इसके लिए राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और भौगोलिक परिस्थितियां जिम्मेदार है। इसके अलावा स्वयं आदिवासी समुदाय में व्याप्त अशिक्षा, रूढ़िवादी परंपरा, अंधविश्वास जैसे कुव्यवस्था भी उनके पिछड़ेपन के लिए जवाबदेह है।हालांकि अब परिस्थितियां करवट बदलने लगी है और जनजातीय समुदाय अपने अधिकारों और विकास के प्रति जागरूक होने लगा है। शिक्षा के प्रसार के चलते आदिवासियों की नयी पीढ़ी जो सोशल मीडिया की ताकत से लबरेज है वह मुखर हो रहा है और सत्ता तथा व्यवस्था से सवाल करने लगा है। बहरहाल आदिवासी समुदाय अभी तक सियासी दलों के लिए महज एक ÷ वोटबैंक÷ था लेकिन अब इस समुदाय को सत्ता और संगठन का नेतृत्व भी सौंपा जा रहा है जो सुखद है। इसके बावजूद अभी भी जनजातीय विरासत और विकास से जुड़े काफी सारे सवाल अनुत्तरित हैं । गौरतलब है कि आदिवासी समाज वास्तव में एक ऐसा समुदाय है जो आधुनिक विकास की तेज बयार के बावजूद आज भी जंगल, पुरातन सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज, लोककला, भाषा, धार्मिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है।आदिवासी जिन जंगलों में निवास करते हैं वहाँ देश की 90 फीसदी खनिज संपदा, 71 फीसदी जंगल और 70 फीसदी जलस्रोत हैं।देश के राजनेताओं, नौकरशाही, कॉर्पोरेट घरानों और बिचौलियों का नापाक गठजोड़ की कुदृष्टि इसी बेशकीमती विरासत पर है। आधुनिक विकास की सनक आदिवासियों को बेदखल कर जंगल को उजाड़ने और पहाड़ों को खोदने के लिए आमादा है।दरअसल जंगलों की आदिवासियों के सामाजिक व धार्मिक रीति- रिवाजों में महत्वपूर्ण भूमिका है ऐसे में आदिवासी प्रकृति के साथ हो रहे निर्ममता से उद्वेलित हैं फलस्वरूप उनका सरकार व प्रशासन के साथ टकराव बढ़ रहा है।

आदिवासी समाज एक ओर जहां अपने प्रकृति, संस्कृति और परंपराओं को बचाने के लिए जद्दोजहद कर रहा है वहीं इस समुदाय में हो रहा धर्मांतरण और मानव तस्करी 'ह्यूमन ट्रैफिकिंग' जनजातीय समाज और सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन रही है। बिलाशक देश में धार्मिक स्वतंत्रता किसी भी नागरिक के लिए संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है परंतु प्रलोभन, गरीबी और अशिक्षा के चलते सुनियोजित धर्मांतरण को उचित नहीं ठहराया जा सकता है। हाल के दिनों में छत्तीसगढ़ के आदिवासी इलाकों से धर्मांतरण और धर्मांतरित मृतकों के अंतिम संस्कार को लेकर तनाव की खबरें लगातार आ रही है जिससे कानून और व्यवस्था की स्थितियां निर्मित हो रही है। छत्तीसगढ़ सहित जनजातीय बहुल झारखंड और मध्यप्रदेश में आदिवासी महिलाओं और बालिकाओं के मानव तस्करी के बढ़ते मामले चिंताजनक है। अलबत्ता सरकार को अनैतिक ढंग से धर्मांतरण और मानव तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाने की जरूरत है। राजनीतिक दलों को भी इस समस्या के प्रति एकजुटता दिखानी होगी आखिरकार यह जनजातीय समुदाय के अस्तित्व और अस्मिता से जुड़ा मसला है। बहरहाल युवा ही किसी समाज के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बदलाव के सबसे बड़े ध्वजवाहक होते हैं लिहाजा आदिवासी समाज के नयी पीढ़ी को अपने विरासत और विकास के बीच संतुलन बनाए रखना होगा। विडंबना है कि आदिवासियों की किशोर और युवा पीढ़ी शिक्षा और रोजगार के लिए शहरों का रुख कर रहा है लेकिन इस राह में उसकी संस्कृति, परंपरा और कला पीछे छूट रहा है। समाजशास्त्रियों के मुताबिक जो समाज अपनी संस्कृति और परंपरा को जीती नहीं है वह संस्कृति बहुत जल्द मर जाती है लिहाजा युवाओं को इस दिशा में सजग होना होगा। युवाओं से यह भी अपेक्षा है कि वे समाज में व्याप्त कुरीतियों,अंधविश्वास और मद्यपान जैसे बुराइयों के खिलाफ अभियान चलाएं। लोकतांत्रिक व्यवस्था में कोई भी बदलाव राजनीति और चुनाव से ही संभव है लिहाजा युवाओं को इस क्षेत्र के प्रति भी अपनी रुचि प्रदर्शित करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की भी सोच ÷ विरासत के साथ विकास÷ की है आदिवासी विरासत हमें प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता और विपरीत परिस्थितियों में जीने की सीख देती है। इन परिस्थितियों में सरकारों को आदिवासी क्षेत्रों के विकास योजनाओं में उनके सदियों पुरानी विरासत को विमर्श में लाना ही होगा तभी आदिवासी समुदाय इस विकास का सहभागी बन सकेगा।

चिंतन रुपक

जनमन हेतु कल्याणकारी हो कांवड़ यात्रा

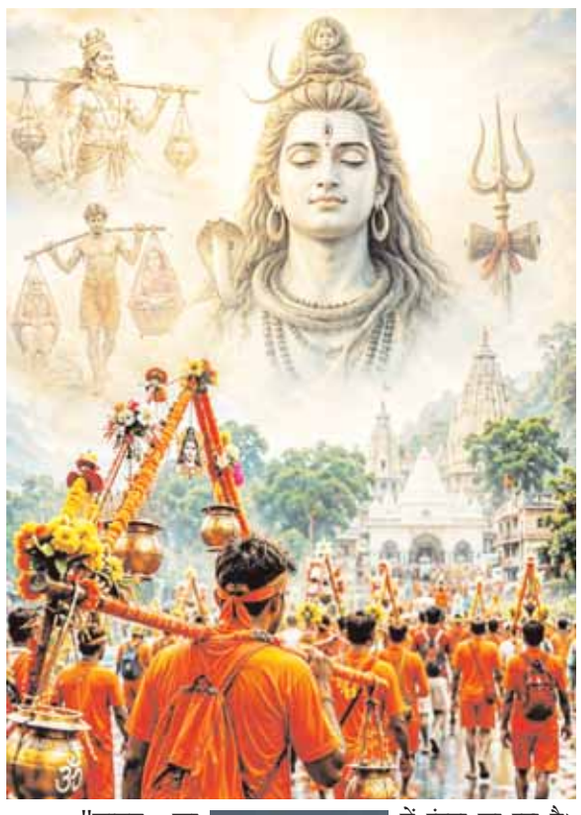

विजय मिश्रा

"सावन का महीना पवन करे शोर, जियरा रे झूमे ऐसे, जैसे बन मा नाचे मोर"। 1967 में आई फिल्म मिलन का यह गीत आज भी जनमन को मोहित करता है।खेती-किसानी के साथ ही जनप्रिय पर्वों का मनभावन महीना सावन है। इस माह में भगवान शिव के भक्त कंधे पर कांवड़ लिए हुए बम बम भोले का उद्घोष करते शिवालय जाते हैं। वहां जल अर्पण करते है।इस वर्ष 30 जुलाई से 28 अगस्त तक तक कांवड़ यात्रा चलना है। दुनिया के पहले कांवड़िया भगवान परशुराम जी माने जाते है। त्रेता युग में भगवान परशुराम जी ने कांवड़ के माध्यम से ही गढ़मुक्तेश्वर से गंगाजल लेकर उत्तर प्रदेश के पुरा महादेव मंदिर को अर्पित किया था। कांवड़ की बात चलती है तो श्रवण कुमार का भी स्मरण आता है।अपने नेत्रहीन माता-पिता को उन्होंने कांवड़ में बिठाकर ही तीर्थाटन करवाया था। उस जमाने में धैर्य, श्रम, शिवजी की भक्ति का प्रतीक कांवड़ था। मेल-मिलाप,भाईचारा और लोक संस्कृति को बनाए रखने का माध्यम भी कांवड़ ही था। बदलते हुए वक्त के साथ कांवड़ यात्रा का स्वरूप बदलता ही जा रहा है। इसमें भी विकृतियों आ रही हैं । अनेक कांवड़ियों का समूह तो देखने में ऐसे प्रतीत होता है मानो वे भोलेनाथ के भगत से कहीं ज्यादा "भगदड़िहा भंगेड़ी" हैं। कांवड़ यात्रा के साथ डी जे पर बजता कानफोड़ू धमाकेदार गीत, शोर शराबा, धूम धड़ाके में डूबे दबंगाई दिखाते हुए कांवड़िए दिखते हैं। धार्मिक कीर्तन- भजन के बजाय बेहूदा नाचना -गाना करते हुए सड़क को घेर कर बेखौफ चलते कांवड़िए पवित्र यात्रा को बदनाम करते हैं। उन्हें कोई समझाने की कोशिश करता है तो उनका पारा सातवें आसमान पर चढ़ जाता है। ऐसी अनेक घटनाएं देखने- सुनने- पढ़ने को मिलती हैं कि शिवालयों में कांवड़ियों के हुड़दंग- भगदड़ से बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन घायल हुए हैं।कांवड़ियों का बढ़ता बिगड़ता स्वरूप आम जनों सहित सरकार के लिए सरदर्द बनता जा रहा है। धर्म के बजाय कांवड़ यात्रा का रिवाज राजनीति के रंग में रंगता जा रहा है। ऐसे दौर में कांवड़ यात्रा में आ रही विकृतियों को रोकने की पहली जवाबदारी भोले नाथ के भक्तों की ही है। पिछले वर्ष की बात है, शहर से गुजर रहे कांवड़ियों के कारण लगे जाम में एक एम्बूलेंस को भी आगे बढ़ने का मौका नहीं मिल रहा था। यह देखकर मेरा मन बेचैन हो उठा। मैंने डी जे की धून पर नाचते गाते दल से कहा- सड़क पर नाचना-गाना छोड़कर एम्बुलेंस को रास्ता दे दें। तब मेरी बात को मानने के बजाए एक हीरोनुमा युवक ने मुझे ही डपटते हुए कहा - "बीमार को भोलेनाथ बचाएंगे। तुझे फिक्र करने की जरूरत नहीं है।उसकी उद्दंडता से मैं सहम गया था।आजकल कांवड़ यात्रा फैशन की तरह हो चला है। अत्याधुनिक डिजाइनदार केशरिया रंग के वस्त्र धारण किए बिना कांवड़ियों का दल निकलता ही नहीं। मानो स्कूल यूनीफार्म की तरह कांवड़ियों के लिए केशरिया यूनीफार्म निर्धारित है। अपने अपने कांवड़ को कांवड़िए नई नवेली दुल्हिन की तरह सजाते हैं। मौका देखकर चौंका मारते हुए बाजार ने इसे कमाई का बड़ा जरिया बना लिया है। कांवड़ साज सज्जा हेतु आकर्षक सामाग्रियों की भरमार बाजार में उपलब्ध है। यही वजह है भक्ति भाव को भूलाकर कांवड़िए एक दूसरे का कांवड़ देख देख कर स्पर्धा करने लगे हैं। मोबाइल से रील बनाने,सेल्फी लेने और फोटो खींचने के लिए उतावले दिखते हैं। दिखावटीपन में डूबे भगदड़िए कांवड़िए भूल जाते हैं कि बाबा भोलेनाथ सादगी पसंद देवता हैं। वे कांवड़ की सुंदरता नहीं कांवड़िए के मन की सुन्दरता को देखते हैं । वे सोना-चांदी के बजाए फल- फूल- पान के चढ़ावे में गदगद हो जाते हैं। इसीलिए भोलेनाथ "गरीबों के देव" कहलाते हैं। भोलेनाथ जैसे मन- वचन- कर्म से पवित्र आचरण रखने वाले कांवड़ियों के लिए ही एक लोटा जल हर समस्या का हल होता है। मन में विकार भरा हो तो कितना भी जल अर्पित कर लें सुफल नहीं मिलने वाला है। तभी तो कहते हैं- *कर्म तेरा अच्छा है तो किस्मत तेरी दासी है। नियत तेरी साफहै तो घर में मथुरा काशी है।

पश्चिमी देशों में जनजातीय नरसंहार का स्मरण दिवस

प्रवीण गुगनानी

"द सोशल कांट्रैक्ट्स" जीन सेक्स रूसो की वर्ष 1762 में प्रकाशित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। इस पुस्तक की प्रथम पंक्ति है - "मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ था, और अब वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है।" यही वह बिंदु है जो पश्चिमी और इस्लामिक चिंतन से हम भारतीयों को अलग-विलग करता है। सनातनी भारतीय समाज सदा-सदा से ऐसी लोकतांत्रिक, अनुशासित व्यवस्था है जो उत्तरोत्तर सुधार, स्वतंत्रता के साथ-साथ साधना की ओर बढ़ती है। ये साधना कई रूपों में हमारे साथ चलती है। ये जड़ता से चेतना की ओर बढ़ती हुई यात्रा होती है। पश्चिमी चिंतन चेतना से जड़ता की ओर बहुतेरे ही जाता रहता है, इसका ज्वलंत उदाहरण राजनैतिक कारणों से उपजाया गया नौ अगस्त का 'विश्व जनजातीय दिवस' है। ये विश्व भर को अपने बॉयस, अपने दृष्टिकोण, अपने छद्म, अपने दुराग्रह से बाँधने का कुत्सित प्रयास है। ये विश्व भर के जनजातीय समाज की आँखों में मिर्च झोंकने का दुष्प्रयास है। विश्व जनजातीय दिवस उत्सव, एक सुंदर मकड़ी का अतिसुन्दर मकड़जाल है। ये आयोजन अपने ही पुरखों के भीषण नरसंहार को भुला दिए जाने के षड्यंत्र है और इस शोक दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाने की दुरभिसंधि (साजिश) भी! इस अन्तरराष्ट्रीय जनजातीय दिवस की गिद्ध दृष्टि में, लगभग दो सौ आदिवासी समूह की चेतना है। उनकी चेतना में समाए उनके पुरखों के जेनोसाइड पर है। पश्चिमी समाज विश्व भर के जनजातीय मानस से उनके नरसंहार को, होलोकास्ट को, मसेकर को, मॉस स्लाटरिंग को, ब्लड बाथ को, एनिहिलेशन को, मॉस मरडरिंग को उनकी स्मृति से लोप या एमनेसिया करा देने का एक फैशनेबल किंतु कुत्सित प्रयास है। ये जनजातीय विमर्श को अजब-गजब तरीके से स्थापित करने की कलाबाजी है। पश्चिम फेक डिस्कोर्सेस को स्थापित करने के छद्मयुद्ध का सदैव से ही कुशल खिलाड़ी रहा है। जनजातीय बंधु जो कि बोलीविया, ब्राज़ील, कोलम्बिया, एक्वाडोर, इंडोनेशिया, पपुआ न्यू गिनी, पेरू, वेनेज़ुएला आदि देशों और साथ ही भारत के दूरस्थ, अंतर्स्थ स्थित वनों में रहते हैं एवं प्रकृति को ही ईश्वर मानकर उसका रक्षण हैं। ये दिवस उनकी स्मृति लोप कराने का दुष्प्रयास है। पूरे विश्व के बाद अब पश्चिमी शक्तियाँ भारत में भी इस वितंडे को स्थापित करने का प्रयास कर रही है। 9 अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किये गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित, दमित व संहारित किए गए वनबंधुओं द्वारा गौरव दिवस के रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह! वस्तुतः नौ अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों पर बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दुःख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपियन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक उनके मूलनिवास से खदेड़ा था या समाप्तप्राय कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिये कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरुप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया!

आश्चर्य यह है कि हम भारतीय भी इस थोथे विमर्श में फंस गए हैं। इस इंडीजेनस डे का हमसे तो कोई सरोकार ही नहीं है। यदि जनजातीय दिवस मनाना ही है तो हमारे पास भगवान बिरसा मुंडा से लेकर टंट्या मामा भील तक हजारों ऐसे जनजातीय यौद्धाओं का समृद्ध इतिहास है जिन्होंने हमारे समूचे भारतीय समाज के लिए कई कई गौरवमयी स्वतंत्रता अभियान चलाये हैं व अपने प्राणों को न्यौछावर कर दिया। भारत के ग्रामों व नगरों में वनवासी समाज की प्रतिष्ठा के रक्षण व विकास की प्राचीन परंपरा रही है। भारत के नगरीय व ग्रामीण समाज में व वनवासी समाज में परस्पर निर्भरता, परस्पर उत्तरदायित्व की अद्भुत किंतु अलिखित संतुलन प्रवृत्ति रही है। प्रकृति पूजन हमें वेदों से प्राप्त हुआ जिसके प्रति नगरीय समाज की अपेक्षा जनजातीय समाज अधिक आग्रही रहा है। भारतीय जनजातीय समाज रक्षण का पात्र नहीं अपितु शेष समाज व राष्ट्र का रक्षक रहा है। मूल निवासी दिवस की चर्चा करें तो ध्यान आता है कि हमारी नर्मदा घाटी ही मानव प्रजाति की जन्मदाता रही है। नर्मदा किनारे जन्मी इस सभ्यता में नगरीय व वन कंदराओं में निवास करने वाले बंधू दोनों का ही अपना अपना महत्व व भूमिका थी। दोनों ही समाज अपने उत्पादनों व वृत्तियों के आधार पर परस्पर निर्भरता के सिद्धांत से जीवन यापन करते हुए वैदिक धर्म को ही भिन्न रूपों में माना करते थे। शिव उपासना वैदिक धर्म का एक अविभाज्य अंग रहा है। शिव पूजन को वनबंधुओं ने भी आगे बढ़ाया व नगरीय समाज ने भी। कोलंबस दिवस के रूप में भी मनाये जाने वाले इस दिन को वस्तुतः अंग्रेजों के अपराध बोध को स्वीकार करनें के दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए। अमेरिका से वहां के मूल निवासियों को अतीव बर्बरता पूर्वक समाप्त कर देनें की कहानी के पश्चिमी पश्चाताप दिवस के रूप में ही यह स्वीकार्य है। आज भारत सामाजिक समरसता के नये आयाम गढ़ रहा है। यह कुछ भारत विरोधी तत्वों को रास नहीं आ रहा है। इस सकारात्मक परिवर्तन के वातावरण में जहर बोने का कार्य करते हैं कुछ भारत विरोधी व विभाजनकारी लोग। मूल निवासी दिवस के एजेंडे के पीछे बहुत से ऐसे विदेशी मानसिकता के लोग खड़े हो गयें हैं व भारत के भोले भाले जनजातीय समाज के मन में विभाजन के बीज बो रहें हैं। कम्युनिस्ट, इस्लाम व इसाईयत के षड्यंत्र का नव संस्करण है मूलनिवासीवाद! भारतीय दलितों व आदिवासियों को पश्चिमी अवधारणा से जोड़नें व भारतीय समाज में विभाजन के नए केंद्रों की खोज इस मूलनिवासी वाद के नाम पर प्रारंभ कर दी गई है। इस पश्चिमी षड्यंत्र के दुष्प्रभाव में कुछ कथित दलित व जनजातीय नेताओं ने यह कहना प्रारंभ किया कि भारत के मूल निवासियों (दलितों) को बाहरी आर्यों ने अपना गुलाम बनाकर यहां हिन्दू वर्ण व्यवस्था को लागू किया। बाबा साहेब अपने लेखन में कथित आर्य व जनजातीय संघर्ष की बात को दृढ़ता से नकारते हैं। बाबासाहब ने लिखा है - "आर्य आक्रमण की झूठी कथा पश्चिमी लेखकों द्वारा बनाई गई है जिसके कोई प्रमाण नहीं है। अम्बेडकर जी आगे लिखते हैं - "इस पश्चिमी सिद्धांत का विश्लेषण करनें से मैं जिस निर्णय पर पहुंचा हूँ, वह यह है - वेदों में आर्य जातिवाद का उल्लेख नहीं है व वेदों में आर्यों द्वारा दलित व जनजातीय आक्रमण कर विजय प्राप्त करनें का कोई प्रमाण नहीं है"।

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज के दिन आप अपनी वाणी पर संयम रखने का काफी प्रयास करेंगे लेकिन इसमें सफल नहीं हो पाएंगे। स्वार्थ सिद्धि की भावना भी हद से ज्यादा ही रहेगी।

वृषः आज के दिन आप सुनेंगे सबकी लेकिन करेंगे अपने मन की दिन का कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं रहेगा। जैसी परिस्थितियां मिलेंगी स्वयं को उसके विपरीत चलाने का प्रयास करेंगे।

मिथुनः आज भाग्य के भरोसे बैठने के कारण अपनी क्षमताओं को खुलकर प्रदर्शित नहीं कर पाएंगे। कल की तुलना में आज परिस्थितियों में थोड़ा सुधार आएगा।

कर्कः आज का दिन आपके लिए धन समृद्धि दायक रहेगा लेकिन प्रातः काल से ही आंखों में जलन अथवा पानी आने के कारण एवं बिना बात की कलह में पड़ने के कारण थोड़ी समस्या भी रहेगी।

सिंहः आज का दिन वैसे तो आपके लिए सुख शांति दायक रहेगा लेकिन फिर भी मन में आर्थिक विषयों को लेकर उथल पुथल लगी रहेगी।

कन्याः आज का दिन आपके लिए बीते दिनों की तुलना में बेहतर रहेगा। प्रातः काल से ही किसी महत्वपूर्ण कार्य को सफल बनाने की जोड़-तोड़ में लग जाएंगे।

तुलाः आज का दिन आपके लिए सेहत संबंधित परेशानियों को छोड़ अन्य अन्य विषयो में ठीक ही रहेगा। दिन के पहले हिस्से में शारीरिक अंगों में दर्द एवं अकड़न रहने के कारण किसी भी कार्य के प्रति उत्साह नहीं बना पाएंगे।

वृश्चिकः आज का दिन आपके लिए मनोकामना पूर्ति वाला रहेगा कई दिनों से मन में चल रही कामना पूर्ति किसी परिचय अथवा निकटस्थ संबंधी की सहायता से पूरी कर पाएंगे।

धनुः आज दिन के आरंभिक भाग में पेट संबंधित संमस्या परेशान करेंगी। खानपान में असंतुलन बरतने से पेट में दर्द, गैस, पेट का फूलना, कमर दर्द की शिकायत हो सकती है।

मकरः बीते कल की तुलना में आज आपका स्वभाव एवं व्यवहार एकदम विपरीत रहेगा अध्यात्म एवं धार्मिक कार्यों में व्यवहारिकता मात्र रहेगी देखा देखी में धर्म के कार्य करेंगे।

कुंभः आज के दिन आपको अपनी वाणी पर नियंत्रण रखने की विशेष आवश्यकता है। या तो आप आज जल्दी से किसी से बोलेंगे नहीं बोलेंगे तो मुझसे कड़वे शब्द ही निकलेंगे।

मीनः आज का दिन आपके लिए धन् लाभ वाला है। लेकिन सुबह से स्वाभकाव में जल्दबाजी रहेगी जिसके चलते कोई ना कोई गलती नुकसान का कारण बन सकती है।

QUIZ TIME

1. किस शासक ने देवी लक्ष्मी की आकृति छापकर सिक्कों को मुद्रित किया था?
2. अरूणा आसफ अली किस शहर की पहली महापौर चुनी गई?
3. देश का पहला एआई विद्यालय कहां बनाया जाएगा?
4. गृह मंत्रालय द्वारा लू और बिजली गिरने को अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं की सूची में शामिल करने के बाद अधिसूचित आपदाओं की कुल संख्या कितनी हो गई है?
5. हाल ही में कौन देश की पहली महिला टॉप गन पायलट बन गई हैं?

उत्तरमाला

(1) मुहम्मद गौरी | (2) दिल्ली | (3) केरल | (4) 14 | (5) भावना कांत

RamaQuiz

पहेली

शब्द सामर्थ्य -124

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थित प्रसिद्ध जेल।

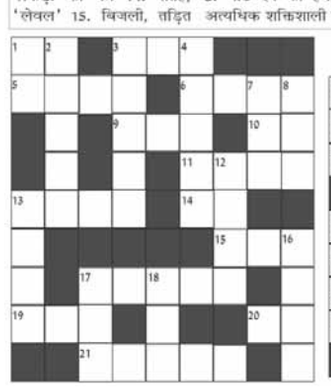

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 123 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	मं			ज	र	दा		

न्यूज गैलरी

प्रसंग सुरमाला अवार्ड आज

जबलपुर/नवप्रदेश। प्रसंग अंतरराष्ट्रीय संस्था का 519 वां आयोजन प्रसंग सुरमाला अवार्ड 9 अगस्त को आई एम ए हाल में 6ः00 बजे से होने जा रहा है संस्था के संस्थापक इंजीनियर विनोद नयन ने बताया कि इस आयोजन की विशेषता यह है कि नॉन स्टॉप 41 गीतों की प्रस्तुति शानदार सिंगर द्वारा प्रस्तुत की जाएगी उत्कृष्ट गायन के लिए चयनित पांच सिंगर को प्रसंग सुरमाला अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। शेष अन्य सिंगर को भी प्रसंग स्वरमाला सम्मान से सम्मानित किया जाएगा इसके साथ ही हितकारिणी कन्या शाला के बाल कलाकारों द्वारा प्रीति पाठक खुरासिया के निर्देशन में तिरंगा नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। संयोजक इंजीनियर जी व्ही अग्रवाल ने सभी से उपस्थित का आग्रह किया है।

विभाजन के बाद एमयू की आमदनी मात्र 2 करोड़ सालाना होगी

जबलपुर/नवप्रदेश। केवल मप्र की मेडिकल यूनिवर्सिटी छोड़कर समुचे देश में किसी भी एमयू का विभाजन नहीं किया गया, विभाजन भी ऐसा किया गया कि जबलपुर एमयू की सालाना आमदानी मात्र 2 करोड़ की होगी। जाहिर है कि इस जबलपुर एमयू का अस्तित्व खतरे में रहेगा।

विभाजन में संविधान की अनदेखी: जबलपुर एमयू के विभाजन में भेदभाव तथा मनमानी करने से बराबर के हिस्से बांटे नहीं गए, इससे संविधान के अनुच्छेद 14 की अनदेखी हुई है। यह ज्ञापन जनसंगठनों ने संभागीय आयुक्त जबलपुर के माध्यम लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग को भेजा।

अब तीव्रता से संक्षेपिका बन रही: डॉ.पीजी नाजपांडे ने आरोप ल गया कि लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने आनन फानन में एमयू के विभाजन का प्रस्ताव बनाकर उसे पारित करवाया है। अब इस विभाग के अधिकारी विभिन्न जानकारियां एकत्रित कर तीव्र गति से संक्षेपिका बनाने जुटे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि एमयू का विभाजन करने में दबाव था। इस अवसर पर टीके रायघटक, डीके सिंह, संतोष श्रीवास्तव, घनश्याम सोनकर, सुभाष चंद्रा, अशोक नामदेव, केसी सोनी आदि उपस्थित थे।

पावर जनरेटिंग कम्पनी के वाणिज्य कार्यालय को मिला आईएसओ प्रमाणीकरण

जबलपुर/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के मुख्यालय स्थित निदेशक वाणिज्य कार्यालय को अंतरराष्ट्रीय क्वालिटी स्टैण्डर्ड आईएसओ 9001ः2015 का प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ है। पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा कार्यप्रणालियों के सतत् मानकीकरण व दक्षता वृद्धि? की दिशा में यह उपलब्धि? एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्य सुरक्षा अधिकारी कार्यालय को को यह प्रमाणपत्र उच्च स्तर के अंतराष्ट्रीय मानदंडों का पालन करने हेतु प्राप्त हुआ है। अब तक पावर जनरेटिंग कंपनी के 15 कार्यालय को आईएसओ प्रमाणीकरण मिल चुका है। प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने इस महत्वपूर्ण प्रमाणीकरण के प्राप्त होने पर डायरेक्टर कमर्शियल मिलिंद भान्दक्कर सहित कार्यालय के समस्त कार्मिकों को शुभकामना व बधाई दी है।

1942 की अगस्त क्रांति में जबलपुर के दो भाइयों ने

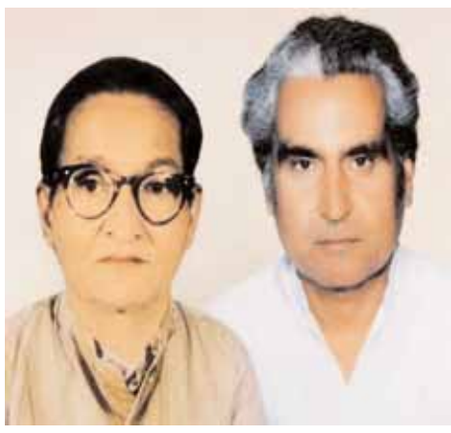

दिखाया अदम्य साहस

जबलपुर/नवप्रदेश। वर्ष 1942 में महात्मा गांधी के आह्वान पर शुरू हुए भारत छोड़ो आंदोलन की गूंज जबलपुर में भी सुनाई दी। इसी आंदोलन में शहर के दो भाइयों गुलाबचंद्र नामदेव और रतनचंद्र नामदेव ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगस्त क्रांति के दौरान तिलक भूमि-तलैया से निकली तिरंगा यात्रा में अंग्रेजी पुलिस ने बड़ा फुहारा-घमंडी चौक क्षेत्र में गोलीबारी की थी, जिसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानी गुलाब सिंह पटेल शहीद हुए। इसी दौरान आंदोलन में शामिल गुलाबचंद्र नामदेव को गिरफ्तार कर एक वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। भाई की गिरफ्तारी की खबर मिलने पर उनके छोटे भाई रतनचंद्र नामदेव ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। वे निवाड़गंज पहुंचे और वहां स्थित अंग्रेजों की पुलिस चौकी में आग लगा दी। इसके बाद उनकी गिरफ्तारी के आदेश जारी हुए तो वे भूमिगत हो गए। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ने के लिए काफी प्रयास किए, लेकिन वे हाथ नहीं आए। 1942 की अगस्त क्रांति में

एक साल बाद दोबारा वारदात, डायमंड सेट और सवा लाख नकदी ले गए चोर

चोरों ने दवा कारोबारी के सूने घर को फिर बनाया निशाना

जबलपुर /नवप्रदेश।

विजय नगर थाना क्षेत्र की पॉश कॉलोनी कचनार सिटी में चोरों ने एक बार फिर दवा कारोबारी के सूने मकान को निशाना बनाया।

अज्ञात बदमाश पीछे के दरवाजे का ताला तोड़कर घर में दाखिल हुए और अलमारियां खंगालकर डायमंड सेट, लैपटॉप और करीब एक से सवा लाख रुपए नकदी लेकर फरार हो गए। खास बात यह है कि करीब एक साल पहले भी इसी मकान में लगभग इसी तरीके से बड़ी चोरी हुई थी, जिसका अब तक सुराग नहीं लग सका है।

सुबह निकले, रात लौटे तो घर में बिखरा सामान: दवा व्यवसायी अजय अग्रवाल ने बताया कि वे शनिवार सुबह करीब 11 बजे काम के सिलसिले में घर से निकले थे। दोपहर करीब 2 बजे उनका बेटा घर आया और करीब आधे घंटे बाद वापस चला गया। रात 8ः30 से 9 बजे के बीच अजय घर पहुंचे तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। शक होने पर पीछे की ओर जाकर देखा तो दरवाजे का ताला टूटा हुआ था। अंदर पहुंचने पर कमरों का सामान अस्त-व्यस्त मिला। करीब 10 से 12 अलमारियों और ड्रॉर को खंगाला गया था। घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

डायमंड सेट और लैपटॉप भी ले गए: प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चोर घर से डायमंड सेट, एचपी कंपनी का लैपटॉप और करीब 1 से 1.25 लाख रुपए नकद ले गए हैं। घर की महिलाएं उस समय बाहर थीं, इसलिए जेवरात और अन्य सामान का पूरा मिलान नहीं हो सका। परिजनों के लौटने के बाद चोरी गए सामान की वास्तविक सूची और कीमत स्पष्ट होगी।

एक साल पहले भी इसी तरह हुई थी चोरी: इस वारदात ने पुलिस की चिंता इसलिए भी बढ़ा दी है क्योंकि अगस्त 2025 में भी अजय अग्रवाल के घर में चोरी हुई थी। उस समय चोर शाम के वक्त घर में घुसे थे और करीब 6.5 से 7 लाख रुपए नकदी तथा सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए थे। एक साल बाद दोबारा उसी मकान को निशाना बनाए जाने से सुरक्षा व्यवस्था और पिछली चोरी की जांच पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

घर का कैमरा नहीं चला, आसपास के फुटेज खंगाल रही पुलिस: विजय नगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया कि घर के सीसीटीवी कैमरे में मेमोरी कार्ड नहीं था और क्लाउड रिकॉर्डिंग भी हाल में बंद हो गई थी। ऐसे में पुलिस अब कॉलोनी और आसपास लगे दूसरे कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाल रही है।

पुलिस ने आसपास के रास्तों, संदिग्धों की गतिविधियों और वारदात के समय क्षेत्र में मौजूद लोगों की जानकारी जुटाना शुरू कर दिया है। पिछली चोरी का सुराग नहीं मिलने के बीच उसी मकान में दोबारा वारदात ने पुलिस के सामने चुनौती बढ़ा दी है।

रिटायर्ड कर्मी से 54 हजार की ठगी

फेसबुक विज्ञापन पर क्लिक करना महंगा पड़ा

जबलपुर/नवप्रदेश।

संजीवनी नगर क्षेत्र में पेंशन सर्टिफिकेट बनवाने के नाम पर एक रिटायर्ड बैंककर्मी साइबर ठगी का शिकार हो गए। जालसाजों ने फेसबुक पर विज्ञापन के जरिए उन्हें झांसे में लिया और फिर व्हाट्सएप कॉल कर एक एप पर कुछ स्टेप्स फॉलो करवाए।

इसके बाद उनके बैंक खाते से 54 हजार 90 रुपए पार हो गए।

पुलिस के अनुसार सीओडी कॉलोनी निवासी अश्वनी ठाकुर (28) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई की शाम उनके ससुर, जो स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त हैं, घर पर थे। इसी दौरान फेसबुक पर उन्हें पेंशन सर्टिफिकेट तैयार कराने से संबंधित एक विज्ञापन दिखाई दिया। विज्ञापन पर क्लिक करने के बाद उन्होंने उसमें अपना नाम दर्ज किया।

एप पर नेक्स्ट करते रहे, खाते से रकम निकल गई

कुछ देर बाद उनके व्हाट्सएप पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने दावा किया कि इसी एप के जरिए पेंशन सर्टिफिकेट तैयार कराया जा सकता है और उन्हें एप्लीकेशन में लगातार नेक्स्ट करने के निर्देश दिए। बातचीत के दौरान उनसे एटीएम कार्ड के अंतिम छह अंक भी दर्ज करवाए गए।

कुछ देर बाद जब रिटायर्ड बैंककर्मी ने बैंकिंग एप पर खाते की जानकारी देखी तो उन्हें पता चला कि खाते से रकम निकाली जा चुकी है। उनके खाते से 22 हजार रुपए पेंशन खाते में ट्रांसफर किए गए और अलग-अलग लेनदेन के बाद कुल 54,090 रुपए कट गए।

घटना का पता चलते ही परिजनों ने तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद संजीवनी नगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस के तहत धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी के मोबाइल नंबर और बैंक लेनदेन की जानकारी के

ट्रांसपोर्ट-शेयर बाजार में मुनाफे का झांसा देकर 17 लाख की अमानत हड़पी

जबलपुर/नवप्रदेश।

बेलबाग थाना क्षेत्र में ट्रांसपोर्ट और शेयर बाजार में निवेश कर मुनाफा दिलाने का झांसा देकर एक युवक से 17 लाख रुपए लेने और रकम वापस नहीं करने का मामला सामने आया है।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गलगला टोरिया निवासी 37 वर्षीय आकाश शुक्रवारे ने शिकायत में बताया कि सतेन्द्र द्विवेदी उसका मित्र है। दोनों के बीच मोबाइल और व्हाट्सएप पर बातचीत होती थी। सितंबर 2023 में सतेन्द्र ने उसे ट्रांसपोर्ट और शेयर बाजार से जुड़े काम में पैसा लगाने पर लाभ मिलने का भरोसा दिलाया।

आकाश के मुताबिक भरोसे में आकर उसने 4 सितंबर 2023 से 10 जुलाई 2024 के बीच करीब 10 लाख 34 हजार रुपए अपने फोन-पे के जरिए सतेन्द्र के मोबाइल पर ट्रांसफर किए। इसके अलावा करीब 6 लाख 66 हजार रुपए अन्य साथी के फोन-पे और एटीएम के माध्यम से सतेन्द्र के कोटक महिंद्रा बैंक खाते में जमा किए गए। इस तरह कुल 17 लाख रुपए आरोपी को दिए गए। आरोप है कि रकम लेने के बाद सतेन्द्र ने न तो निवेश का लाभ दिया और न ही मूल रकम वापस की। बार-बार मांग करने के बावजूद रकम वापस नहीं मिलने पर आकाश ने बेलबाग थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपी सतेन्द्र द्विवेदी के खिलाफ धारा 316(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर लेनदेन और बैंक खातों की जांच शुरू कर दी है।

रफी-किशोर के सदाबहार गीतों से सजी संगीत संध्या

जबलपुर/नवप्रदेश।

शहीद स्मारक स्थित ऑडिटोरियम में श्री राधे कराओके क्लब एवं रेणुका म्यूजिक एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में 'सलामत रहे दोस्ताना हमारा' संगीत संध्या आयोजित हुई। कार्यक्रम में मोहम्मद रफी और किशोर कुमार के लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियों ने संगीतप्रेमियों को पुराने दौर की यादों में पहुंचा दिया।

कार्यक्रम की संयोजक संगीता ठाकुर एवं निर्देशक मास्टर शक्ति आलोक वर्मा रहे। संगीत की बागडोर मिथिलेश बासुने ने संभाली, जबकि संचालन अनिल श्रीवास्तव ने किया। शहर के प्रतिभाशाली गायकों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य भट्ट, हास्य कलाकार के.के. नाइकर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्यकांत शर्मा सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। आयोजकों ने अतिथियों का शॉल, श्रीफल और पुष्पमाला से स्वागत किया।

अगस्त क्रांति पद यात्रा में शामिल होंगे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशज

जबलपुर /नवप्रदेश।

शहर जिला स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उराधिकारी संगठन की बैठक गत दिवस गांधी भवन, टाउन हॉल में आयोजित हुई। बैठक में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशजों की समस्याओं और संगठन की आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गई।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 9 अगस्त को युवा क्रांति दिवस के अवसर पर संगठन के सदस्य सुबह 10 बजे तिलक भूमि, तलैया से पदयात्रा में शामिल होंगे। पदयात्रा गांधी भवन तक जाएगी। इसके अलावा 11 अगस्त को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसमें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उनके वंशजों की लंबित मांगों और सुविधाओं से जुड़े मुद्दे सरकार के समक्ष रखे जाएंगे।

बैठक की अध्यक्षता सेवादल कांग्रेस के मुख्य संगठक पं. सतीश तिवारी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मध्यप्रदेश स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवार प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज नामदेव मौजूद रहे। संगठन के नगर अध्यक्ष राजेन्द्र रज्जू सराफ, ग्रामीण अध्यक्ष नारायण सिंह शर्मा सहित पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। संगठन ने दोनों कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में वंशजों से शामिल होने की अपील की।

थाने पहुंचने से पहले बदमाशों ने घर पर फेंके बम

जबलपुर/नवप्रदेश। घमापुर थाना क्षेत्र में मारपीट की शिकायत करने थाने जाने की तैयारी कर रहे एक परिवार के घर पर दो बम फेंकने का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गोपाल होटल के पास रहने वाली पूजा रजक ने शिकायत में बताया कि उसके भतीजे मनीष उर्फ मनी रजक के साथ 2 अगस्त की शाम करीब साढ़े पांच बजे कुछ युवकों ने सोनू पासी के घर के पास आशा चक्की क्षेत्र में मारपीट की थी। आरोप है कि मंजीत ठाकुर, राजेन्द्र विनोदिया, प्रिंस और विजय चौधरी ने मिलकर मनीष के साथ मारपीट की। मारपीट के बाद मनीष के माता-पिता मामले की शिकायत करने थाने जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान सोनू पासी और पुष्पेन्द्र उर्फ गोलू विनोदिया कथित रूप से संयासी बाबा की कुलिया की ओर से वहां पहुंचे।

एक सप्ताह में दूसरी बमबाजी: घमापुर क्षेत्र में एक सप्ताह के भीतर बमबाजी की यह दूसरी घटना सामने आने से पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस ने लिखित शिकायत पर धारा 296(ए) बीएनएस तथा 3, 5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर फ्रेंड्स की नई कार्यकारिणी ने संभाला दायित्व

जबलपुर/नवप्रदेश।

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर फ्रेंड्स का चतुर्थ पदस्थापना समारोह होटल कृष्णा, भंवरताल के समीप आयोजित हुआ। समारोह में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेकर सेवा कार्यों को नई गति देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे. अखिल मिश्रा रहे। विशिष्ट अतिथि पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे. सुनील फाटक, असिस्टेंट गवर्नर रोटे. शोभित वर्मा और क्लब कोऑर्डिनेटर एवं पूर्व अध्यक्ष रोटे. एन.के. श्रीवास्तव मौजूद रहे।

नई कार्यकारिणी में रोटे. विनोद शर्मा ने अध्यक्ष, रोटे. ब्रजेश श्रीवास ने सचिव और रोटे. प्रेम विश्वकर्मा ने कोषाध्यक्ष का दायित्व संभाला। वहीं रोटेरियन इंजी. प्रभात दुबे को आईपीपी, मनीष कोष्टा एवं कृष्ण कुमार अग्रवाल को सार्जेंट्स-एट-आर्म्स, मधुरेश पचौरी, पुरुषोत्तम जी.आर. अग्रवाल एवं राजेश कुमार देवगन को उपाध्यक्ष तथा अंकिश अग्रवाल एवं आत्मानंद श्रीवास्तव को संयुक्त सचिव बनाया गया। कार्यक्रम का संचालन वैभव शर्मा ने किया। स्वागत उद्बोधन पूर्व अध्यक्ष विजय पांडे और आभार प्रदर्शन सचिव ब्रजेश श्रीवास ने किया।

पूर्वी भारत के लिए गेटवे बना जबलपुर: सांसद दुबे

कोलकाता के लिए सीधी विमान सेवा शुरू, यात्रियों का वाटर केनन से किया सैल्यूट

जबलपुर/नवप्रदेश।

जबलपुर और कोलकाता के बीच प्रतीक्षित सीधी हवाई सेवा का शनिवार को विधिवत शुभारंभ हो गया। एलायंस एयर का एटीआर-72 विमान सुबह कोलकाता से उड़ान भरकर 9ः20 बजे जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट पहुंचा। इसके साथ ही महाकौशल क्षेत्र को पूर्वी भारत से सीधी हवाई कनेक्टिविटी मिल गई। डुमना विमानतल पर कोलकाता से आई पहली उड़ान का वाटर केनन सैल्यूट से स्वागत किया गया।

नई सेवा के शुभारंभ पर डुमना एयरपोर्ट को फूलों और बैनरों से सजाया गया था। सांसद आशीष दुबे के नेतृत्व में कोलकाता से आए यात्रियों और जबलपुर से कोलकाता जा रहे यात्रियों का आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद सांसद श्री दुबे और अन्य जनप्रतिनिधियों ने यात्रियों को बोर्डिंग पास और पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया और उन्हें नई उड़ान के लिए शुभकामनाएं दीं।

विमान सुबह कोलकाता से 7ः05 बजे रवाना हुआ और 9ः20 बजे जबलपुर पहुंचा। ठहराव के बाद यही विमान सुबह 10ः00 बजे जबलपुर से कोलकाता के लिए रवाना हुआ और दोपहर 12ः35 बजे कोलकाता पहुंचा।

क्षेत्र की लंबे समय की मांग पूरी: शुभारंभ अवसर पर सांसद आशीष दुबे ने कहा कि जबलपुर-कोलकाता सीधी उड़ान पूरे महाकौशल के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है।उन्होंने कहा कि, लंबे समय से क्षेत्र के नागरिकों, बांग्लाभाषी समाज, छात्रों, व्यापारियों और उद्योग जगत की ओर से कोलकाता के लिए सीधी उड़ान की मांग की जा रही थी।

डुमना एयरपोर्ट से फिलहाल दिल्ली, मुंबई, इंदौर, बेंगलुरु और हैदराबाद के लिए उड़ानें संचालित हैं। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि अब कोलकाता की उड़ान प्रारंभ होने से जबलपुर से पूर्वी भारत का भी सीधा गेटवे बन गया है।

बालिका स्कूलों में 90 शौचालयों का 3.87 करोड़ में होगा निर्माण

मुंगेली/नवप्रदेश। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और बालिकाओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में मुंगेली जिला प्रशासन ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (वीबी-जी-राम जी) के अंतर्गत जिले के 90 शासकीय विद्यालयों में बालिका शौचालय निर्माण के लिए कुल 03 करोड़ 87 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। प्रत्येक विद्यालय के लिए 4.30 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। यह पहल केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण बालिकाओं के आत्मविश्वास, स्वास्थ्य, स्वच्छता और शिक्षा को नई दिशा देने वाला एक सशक्त कदम है।

मुंगेली जिले के अनेक ग्रामीण विद्यालयों में बालिका शौचालय की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसके कारण किशोरावस्था की छात्राओं को कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। कई छात्राएं असुविधा के कारण विद्यालय आने से बचती थी, अभिभावक भी अपनी बेटियों की सुरक्षा और गरिमा को लेकर चिंतित रहते थे। ऐसे में विद्यालयों में सुरक्षित एवं स्वच्छ शौचालय की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशन में जिले के 90 विद्यालयों का चयन किया गया जहां बालिका शौचालय उपलब्ध नहीं था। चयन के बाद प्रत्येक विद्यालय के लिए 4.30 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। कुल 03 करोड़ 87 लाख रुपये की राशि से निर्माण कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। निर्माण कार्यों का क्रियान्वयन ग्राम पंचायतों एवं संबंधित एजेंसियों के माध्यम से किया जाएगा। जिला प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुसार, गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए एवं समय-सीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। इन शौचालयों के निर्माण के बाद

छात्राओं को विद्यालय परिसर में ही सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उनकी नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, पढ़ाई में निरंतरता आएगी तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी समस्याओं में कमी आएगी। इस योजना का एक महत्वपूर्ण पहलू ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराना भी है। निर्माण कार्यों में स्थानीय श्रमिकों को रोजगार मिलेगा तथा उनकी मजदूरी सीधे बैंक खातों में अंतरित की जाएगी। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को

मिली प्रशासकीय स्वीकृति

ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं को सुरक्षित और स्वच्छ शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने 90 शासकीय विद्यालयों में बालिका शौचालय निर्माण को मंजूरी दी है। विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन के तहत प्रत्येक विद्यालय के लिए 4.30 लाख रुपए के हिसाब से कुल 3 करोड़ 87 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

न्यूज गैलरी

काले कागज को असली नोट बनाने का झांसा, तीन आरोपी गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। काले कागज को केमिकल के जरिए असली नोट में बदलने का झांसा देकर 50 हजार रुपए की ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के तीन आरोपियों को नवागढ़ पुलिस और साइबर थाना जांजगीर की टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से सफेद केमिकल पाउडर, नोट जैसे दिखने वाले काले केमिकल लगे 6 कागज और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।पुलिस के अनुसार नवागढ़ निवासी साहिल कुमार के पिता से करीब 10 दिन पहले तेरस राम महिपाल ने संपर्क किया था। उसने खुद को केमिकल एक्सपर्ट बताते हुए 50 हजार रुपए के बदले 2.50 लाख रुपए मूल्य के काले कागज और केमिकल देने का झांसा दिया। 6 अगस्त को पीड़ित गोविंदा पुल के पास पहुंचा, जहां तेरस राम के साथ शिव प्रसाद मनहर और रामरतन साहू मौजूद थे। संदेह होने पर पूछताछ करते ही तीनों फरार हो गए। शिकायत पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया।

मुंगेली से नांदघाट तक फोरलेन सड़क को मिली मंजूरी

मुंगेली/नवप्रदेश। राज्य शासन ने मुंगेली से नांदघाट तक टू-लेन सड़क के फोरलेन में उन्नयन के लिए 21 करोड़ 81 लाख रुपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से 36.40 किमी फोरलेन सड़क का निर्माण किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है। उप मुख्यमंत्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं। अपरिहार्य एवं नियंत्रण से बाहर मान्य कारणों के आधार पर ही सक्षम अधिकारी द्वारा समय-सीमा में वृद्धि की जा सकेगी। निर्माण कार्य की समयावधि में वृद्धि नियमानुसार अर्थदंड सहित अधिरोपित करने के निर्देश दिए गए हैं।

शिविर मे वर्षा ऋतु में पाचन रोगों से बचाव व खान-पान पर दी जानकारी

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला आयुष अधिकारी डॉ. यामिनी शर्मा के मार्गदर्शन में शासकीय होम्योपैथिक औषधालय मुंगेली द्वारा शहर के गोल बाजार क्षेत्र में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य वर्षा ऋतु के दौरान होने वाली पाचन तंत्र संबंधी समस्याओं और उनसे बचाव के उपायों के बारे में आम जनता को जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान डॉ. गुंजन तिवारी ने उपस्थित नागरिकों को मानसून के मौसम में खान-पान से जुड़ी सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने समझाया कि इस मौसम में पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, जिससे पेट से जुड़ी बीमारियां तेजी से फैलती हैं। इन समस्याओं से बचने के लिए बासी भोजन, खुले में बिकने वाली खाद्य सामग्री और दूषित पानी के सेवन से पूरी तरह परहेज करना चाहिए तथा हमेशा ताजा, हल्का और सुपाच्य आहार ही लेना चाहिए। शिविर के दौरान स्थानीय नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। इसके साथ ही, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए जरूरतमंदों को निशुल्क होम्योपैथिक औषधियों का वितरण किया गया। आयुष विभाग की इस उपयोगी मुहिम से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने स्वास्थ्य लाभ उठाया और इस पहल की खुलकर सराहना की।

पर्वतारोही समीरा ने छात्राओं को दिया आत्मरक्षा का संदेश

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। तक्षशिला इंटरनेशनल स्कूल शिवरीनारायण में देश-विदेश में साइकिलिंग अभियान और पर्वतारोहण के लिए पहचान बना चुकीं पर्वतारोही समीरा खान पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद कर अपने जीवन के संघर्ष, यात्राओं और उपलब्धियों को साझा किया तथा छात्राओं को आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और आत्मरक्षा के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। समीरा खान ने बताया कि वह अब तक 37 देशों में साइकिलिंग अभियान कर चुकी हैं और 11 पर्वत चोटियों पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर चुकी हैं। इनमें नेपाल की प्रसिद्ध अमा डबलम चोटी भी शामिल हैं। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं से विशेष संवाद करते हुए उन्होंने सेल्फ मोटिवेशन, आत्मविश्वास और आत्मरक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।

कटघोरा-मुंगेली-डोंगरगढ़ रेल लाइन पर श्रेय की सियासत, जनता पूछ रही-ट्रेन कब चलेगी?

रेल लाइन की स्वीकृति से मुंगेली में उत्साह

मुंगेली/नवप्रदेश। मुंगेली जिला बनने के बाद जनता को उम्मीद जगी थी कि प्रशासनिक सुगमता के साथ-साथ यहाँ परिवहन के साधन भी सुलभ होंगे। परंतु, कागजी घोड़ों और शिलान्यास के आयोजनों के बीच जनता सालों-साल सिर्फ आश्वासन की पटरियां ही बिछी देखती रही,छत्तीसगढ़ का मुंगेली जिला अपनी स्थापना के बाद से ही विकास की कई उम्मीदें संजोए बैठा है। खासकर रेल सुविधा को लेकर यहाँ के लोगों का संघर्ष लंबा रहा है।

लगभग एक दशक से अधिक समय पहले (करीब 12-13 वर्ष पूर्व) इस क्षेत्र में रेलवे लाइन के लिए भूमि पूजन का पावन अनुष्ठान संपन्न हुआ था। तब से लेकर आज तक, मुंगेली विकास की राह ताकते-ताकते एक अदद जिला तो बन गया, लेकिन रेल की सीटी की गूंज यहाँ के लोगों के लिए कौतुक ही बनी रही। अब जाकर इस प्रोजेक्ट को औपचारिक स्वीकृति मिलने की सुगबुगाहट तेज हुई है, तो सियासी गलियारों में श्रेय लेने की होड़ मच गई है। क्षेत्रीय सत्तापक्ष और खासकर भाजपाइयों का यह दावा है कि उनके शासनकाल में ही जिले को सही मायनों में विकास की यह रफ्तार और पटरी मिली है। लेकिन जमीनी हकीकत और राजनीतिक दावों के इस अंतर्विरोध को देखकर प्रबुद्ध नागरिकों और जानकारों के मुँह से अनायास ही एक पुरानी और सटीक कहावत निकल पड़ती है नींव कोई रखे और इमारत पर बोर्ड कोई और लगाए,क्या पुरानी दुल्हन को नई साडी पहनाई जा रही है।

क्या वाकई यह नया विकास है?-राजनीति में यह कोई पहला वाकया नहीं है जब किसी पुराने और अटके पड़े कार्य को पुनर्जीवित कर उस पर नए सिरे से अपनी मोहर लगाने का प्रयास किया गया हो। मुंगेली की इस बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना के इतिहास पर यदि एक सरसरी नजर डाली जाए, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि शिलान्यास के जो पत्थर बरसों पहले गाड़े गए थे, आज उन्हीं जर्जर और धूल फांकते पत्थरों पर नए नाम की तख्तियां चिपकाने की कवायद चल रही है। स्थानीय जनता का कहना है कि विकास एक सतत प्रक्रिया है, जो किसी एक दल की बपौती नहीं होती। मुंगेली जिला बनने के बाद जनता को उम्मीद जगी थी कि प्रशासनिक सुगमता के साथ-साथ यहाँ परिवहन के साधन भी सुलभ होंगे। परंतु, कागजी घोड़ों और शिलान्यास के आयोजनों के बीच जनता सालों-साल सिर्फ आश्वासन की पटरियां ही बिछी देखती रही।

अब जबकि इस परियोजना को लेकर प्रशासनिक स्वीकृतियां मिल रही हैं, तो श्रेय की इस राजनीति के बीच मुख्य सवाल यह है कि क्या किसी पूर्व में स्वीकृत और शिलान्यास किए जा चुके कार्य को वर्षों तक ठंडे बस्ते में डाले रखने के बाद अचानक जाग जाना ही विकास की सच्ची राह है, क्या पुराने किए गए कार्यों का श्रेय लेने मात्र से नेताओं का यह मान लेना सही है कि जनता सब भूल चुकी है, बहरहाल, मुंगेली की जनता विकास के नाम पर सियासत की इन बिछातों को भली-भांति समझ रही है। राजनेता भले ही अपनी पीठ थपथपाने में लगे हों, लेकिन सच्चाई यही है कि पुराने कार्य पर हाथ फेर देने भर से उसका मालिकाना हक नहीं बदल जाता। मुंगेली की पटरियों पर ट्रेन कब दौड़ेगी, यह तो वक्त बताएगा, फिलहाल सियासत के इस इंजन ने श्रेय लेने की दौड़ में जरूर रफ्तार पकड़ ली है।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के प्रथम नगर आगमन पर बीजेपी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा कटघोरा-मुंगेली-डोंगरगढ़ नई रेल लाइन को स्वीकृति मिलने पर भव्य स्वागत किया जा रहा है। इसे मुंगेली जिले के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताया जा रहा है। निःसंदेह किसी भी जिले के लिए रेल परियोजना की स्वीकृति विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होती है, लेकिन केवल स्वीकृति मिल जाने से रेल लाइन नहीं बन जाती। असली सवाल यह है कि क्या यह परियोजना समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतरेगी या फिर देश की अनेक अन्य रेल परियोजनाओं की तरह वर्षों तक कागजों, सर्वे, बजट और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में उलझी रहेगी। मुंगेली के लोगों को यह नहीं भूलना चाहिए कि इस रेल कॉरिडोर का विचार नया नहीं है।

जनता बोली-निर्माण शुरू होगा तभी मानेंगे विकास

आज स्वागत समारोह में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जनता अब भाषणों से अधिक मशीनें और निर्माण कार्य देखना चाहती है। क्योंकि इतिहास गवाह है कि केवल स्वीकृति, शिलान्यास और राजनीतिक घोषणाएं विकास की गारंटी नहीं होतीं। विकास तब माना जाएगा जब जमीन पर काम शुरू होगा, पटरी बिछेगी, स्टेशन बनेंगे और मुंगेली के लोग पहली बार अपने जिले से ट्रेन में सफर करेंगे।

-घनश्याम वर्मा, जिला अध्यक्ष ,कांग्रेस

जमीन पर काम दिखाए सरकार

कटघोरा-मुंगेली-डोंगरगढ़ रेल लाइन निश्चित रूप से क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है और इसकी स्वीकृति स्वागत योग्य है। लेकिन लोकतंत्र में किसी भी बड़ी सार्वजनिक परियोजना पर सवाल उठाना विरोध नहीं, बल्कि जवाबदेही की मांग है। इसलिए आज जब स्वागत के नारे लग रहे हैं, उसी समय सरकार और रेलवे प्रशासन को यह भी बताना चाहिए कि इस परियोजना की समय-सीमा क्या है, निर्माण कब शुरू होगा, कितना बजट स्वीकृत हुआ है और पहली ट्रेन किस वर्ष मुंगेली पहुंचेगी। जब तक इन सवालों के स्पष्ट जवाब और जमीन पर काम दिखाई नहीं देता, तब तक जनता का उत्साह उम्मीद के साथ-साथ एक स्वाभाविक संशय भी बना रहेगा। क्या पुरानी दुल्हन को नई साडी पहनाई जा रही है।

-संजीत बनर्जी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता

वृंदावन के संत आशु कृष्ट शास्त्री पहुंचे शिवरीनारायण

शिवरीनारायण/नवप्रदेश। वृंदावन के संत आशु कृष्ट शास्त्री महाराज शनिवार को धर्मनगरी शिवरीनारायण पहुंचे।

उन्होंने शिवरीनारायण की धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता बताते हुए कहा कि शबरी और नारायण की पावन भूमि पर पहुंचना उनके लिए जन्म-जन्मांतर के पुण्य का प्रताप है। उन्होंने कहा कि भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है तथा शिवरीनारायण की धरती आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र है। संत ने सनातन संस्कृति को लेकर

चिंता जताते हुए कहा कि समाज को अपनी धर्म, संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूक रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म और सनातन संस्कृति की रक्षा तथा जागरूकता के लिए होने वाले प्रयासों में वे हमेशा साथ खड़े रहेंगे।शिवरीनारायण पहुंचने से पहले संत आशु कृष्ट शास्त्री ने मेहंदी और देवरघटा में संत शिरोमणि रामगोपाल दास महाराज से आशीर्वाद लिया। इसके बाद खरौद में देवदर्शन किए। शिवरीनारायण में गरिमा मेडिकल में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने मीडिया से चर्चा की और स्वागत-सम्मान किया गया। इसके बाद संत ने श्री शिवरीनारायण मठ मंदिर पहुंचकर मठाधीश डॉ. राजेश्री महंत रामसुंदर दास महाराज से भेंट कर आशीर्वाद लिया। उनका स्वागत छायाचित्र, पुष्प, श्रीफल और शाल भेंटकर किया गया। इस दौरान पुजारी त्यागी महाराज और मुख्तियार सुखराम दास महाराज उपस्थित रहे।

240 विद्यार्थियों ने जाना अंतरिक्ष विज्ञान का रोमांच

जशपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस-2026 के अवसर पर स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जशपुर में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (एनआरएससी) एवं क्षेत्रीय रिमोट सेंसिंग केंद्र, नागपुर के सहयोग से विशेष आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के अंतर्गत छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा छत्तीसगढ़ रीजनल

साइंस सेंटर, रायपुर की पहल पर आयोजित कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विद्यालयों के करीब 240 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।कार्यक्रम में स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जशपुरांचल अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, शांति भवन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गम्हरिया, शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डोड़काचौरा और सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सहित विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थी

हर घर तिरंगा अभियान आज से

अनूपपुर/नवप्रदेश। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा देशभर में 'हर घर तिरंगा-2026' अभियान का आयोजन 9 से 17 अगस्त 2026 तक किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना, राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाना तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इसी क्रम में कलेक्टर झा के निर्देशानुसार जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तिरंगा रैली का आयोजन किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 9 अगस्त को अनूपपुर नगरपालिका, 10 अगस्त को कोतमा नगरपालिका, 11 अगस्त को जैतहरी एवं बिजुरी नगरपालिका, 12 अगस्त को अनूपपुर, कोतमा एवं अमरकंटक नगरपालिका तथा 13 अगस्त को जैतहरी नगरपालिका एवं किरगी ग्राम पंचायत क्षेत्र में तिरंगा रैली आयोजित की जाएगी। रैलियों में पैदल, साइकिल एवं ई-बाइक के माध्यम से नागरिकों की सहभागिता रहेगी। रैली का शुभारंभ सामूहिक रूप से 'वन्दे मातरम के गायन से किया जाएगा।

नकली लुब्रिकेंट का कारोबार, दीपका में 2.67 लाख का माल जब्त

कोरबा/दीपका/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में नामी ऑटोमोबाइल और लुब्रिकेंट कंपनियों टाटा मोटर्स के नाम पर नकली उत्पादों का काला कारोबार धड़ल्ले से चलाया जा रहा था। पुलिस और बौद्धिक संपदा संरक्षण संस्था की संयुक्त टीम ने दीपका थाना अंतर्गत ग्राम तिवरता स्थित 'श्रद्धा फ्यूल्स' पर दबिश देकर ब्रांडेड कंपनियों के नकली डीजल एग्जॉस्ट फ्लूइड और लुब्रिकेंट्स के एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से टाटा मोटर्स (20

लीटर): 192 सीलबंद नकली बकेट जिनका बाजार मुल्य लगभग ?2.67 लाख से अधिक का माल बरामद करते हुए संचालक को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जांच अधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम तिवरता स्थित 'श्रद्धा फ्यूल्स' का संचालक चैतन्य मनहर , टाटा मोटर्स और गल्फ ऑयल जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम पर जाली उत्पाद बेच रहा है। कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशों पर दीपका थाना के उपनिरीक्षक प्रेमचंद साहू और उपनिरीक्षक ललित कुमार गावड़े के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप के पीछे बने स्टोर रूम पर छापा मारा। विधिवत तलाशी के दौरान गोदाम से भारी मात्रा में टाटा मोटर्स और गल्फ ऑयल के 20-20 लीटर वाले सीलबंद बकेट बरामद किए गए। पुलिस ने चैतन्य मनहर (पिता कुशल मनहर, उम्र 19 वर्ष), संचालक को गिरफ्तार कर लिए है और साथ ही मास्टरमाइंड अनूप गोयल की तलाश में जुटी गई है। पुलिस ने आरोपी चैतन्य मनहर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता , 2023 की धारा 318(4) [धोखाधड़ी/चीटिंग], 347, 349 एवं कॉपीराइट अधिनियम, 1957 की धारा 63 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले में सह-आरोपी अनूप गोयल की गिरफ्तारी के

पेज 1 का शेष...

सांची में समृद्ध बौद्ध विरासत

डेलीगेट्स सांची की ऐतिहासिक विरासत को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा का अद्भुत उदाहरण बताया। इस दौरान उन्होंने मुख्य स्तूप सहित परिसर में स्थित प्राचीन संरचनाओं, तोरण द्वारों, स्तंभों तथा शिल्पकला को करीब से देखा। विशेषज्ञों एवं गाइड द्वारा प्रतिनिधियों को सांची के इतिहास, बौद्ध धर्म के प्रसार और यहां स्थित स्मारकों की स्थापत्य विशेषताओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

पत्थरों पर जीवंत है बौद्ध संस्कृति की कहानी

बौद्ध स्तूप के तोरण द्वारों पर उकेरी गई बारीक नक्काशी ने ब्रिक्स डेलीगेट्स का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इन शिल्पों में बौद्ध परंपरा, जातक कथाओं, प्रकृति, पशु-पक्षियों तथा तत्कालीन सामाजिक जीवन से जु? अनेक दृश्य अंकित है। ब्रिक्स डेलीगेट्स को बताया गया कि सांची में बौद्ध स्मारकों की स्थापना का संबंध मौर्य सम्राट अशोक के काल से है। सांची को बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित किया गया। विदेशी प्रतिनिधियों ने सांची के इतिहास और यहां की स्थापत्य विरासत को लेकर विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने स्मारकों की तस्वीरें भी लीं और परिसर के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया।

हजारों वर्ष पुरानी विरासत को अपनी आंखों से देखना अविस्मरणीय अनुभव

सांची का महत्व केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक भी है। भगवान बुद्ध के शांति, अहिंसा, करुणा और मानवता के संदेश से जु? इस विश्व धरोहर ने ब्रिक्स डेलीगेट्स को विशेष रूप से प्रभावित किया। ब्रिक्स डेलीगेट्स ने सांची को ऐसी ऐतिहासिक धरोहर बताया, जहां प्राचीन भारत की संस्कृति के साथ विश्व शांति का संदेश भी महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पुस्तकों और तस्वीरों में किसी ऐतिहासिक स्थल को जानना अलग अनुभव है, लेकिन सांची पहुंचकर हजारों वर्ष पुरानी विरासत को अपनी आंखों से देखना अविस्मरणीय अनुभव है। इस अवसर पर संस्कृति विभाग के अपर मुख्य प्रमुख सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला, भोपाल संभागायुक्त श्री कर्मवीर शर्मा, मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रबंध निदेशक श्री इलैया राजा टी, मध्यप्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के अतिरिक्त प्रबंध निदेशक श्री अभय बेडेकर तथा भोपाल से आए वरिष्ठ अधिकारीगण, पुलिस अधीक्षक श्री आशुतोष गुप्ता सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन प्रदेश

घोषणा पत्र को पारित किया गया। केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने कहा कि इस वर्ष भारत की अध्यक्षता में सम्मेलन की मूल थीम ÷लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण÷ (क्ष्ह्लद्बद्यस्रद्बठ्ठद् द्बश्ह्ल क्र द्द ह्य द्ब द्य द्ब द्द ठ्ठ ष द्द , ढ्ढ ठ्ठ ठ्ठ श 1 ड्ड ह्ल द्ब श ठ्ठ , ष्टश्वश्चद्दह्लड्डह्लद्बश्ठ्ठ ड्डठ्ठस्र स्ह्लद्यह्लड्डद्बठ्ठड्डड्डद्बद्यद्बह्ल4) रखी गई थी। सामान्यतः अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों के घोषणा पत्र केवल सैद्धांतिक बातों तक सीमित रहते हैं, लेकिन %भोपाल घोषणा पत्र% एक परिणामोन्मुख (ह्लह्लष्श्वद्दद्ग-ड्डड्डद्यद्दस्र), व्यावहारिक और भविष्य-उन्मुख दस्तावेज है, जिसमें स्पष्ट लक्ष्य, क्रियान्वयन का मार्ग और समय-सीमा तय की गई है। इस बैठक में भारत सहित 14 देशों के 55 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की, जिनमें 10 ब्रिक्स सदस्य देश (ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात) तथा 4 साझेदार देश (बेलारूस, क्यूबा, कजाकिस्तान और थाईलैंड) शामिल थे। भोपाल घोषणा पत्र की मुख्य विशेषताओं को साझा करते हुए केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने बताया कि ब्रिक्स देशों ने सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों (ष्टष्टढ्ढ) तथा रचनात्मक अर्थव्यवस्था में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की है। इसके तहत कलाकारों, शिल्पकारों और रचनाकारों की नेटवर्किंग, सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान और डिजिटल माध्यमों के जरिए उन्हें अंतर्राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच प्रदान करने का तंत्र विकसित किया जाएगा। भारत के विशेष प्रस्ताव पर सभी ब्रिक्स एवं साझेदार देशों ने सर्वसम्मति से %स्वैच्छिक कलाकार रजिस्ट्री% (ड्ढश्द्यह्लठ्ठह्लड्डह्ल4 ,ह्लह्लद्बद्यह्लह्ल्य ऋद्बद्बद्यह्लह्ल4) बनाने का निर्णय लिया है, जिसका उद्देश्य कलाकारों का एक एकीकृत नेटवर्क तैयार करना और %जन से जन संपर्क% (क्क्रश्चद्यद्द-ह्लश्-क्क्रश्चद्यद्द ष्टश्ठ्ठह्लड्डष्ह्ल) को सुदृढ़ बनाना है। केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ने बताया कि घोषणा पत्र में पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों व सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के संरक्षण, संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अभिलेखागारों के डिजिटलीकरण तथा दस्तावेजी

न्यूज ब्रीफ

आध्यात्मिकता ही जीवन की वास्तविक पूंजी-महामंडलेश्वर परमानंद

राजगढ़/नवप्रदेश। मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा में गुरु पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर शनिवार को राम जन्मभूमि ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं राष्ट्रीय संत युगपुरुष महामंडलेश्वर पूज्य परमानंद जी महाराज का आगमन हुआ। भोपाल बायपास स्थित अखंड परमधाम आश्रम में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में उन्होंने श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रवचन दिए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्त और नागरिक शामिल हुए। परमानंद जी महाराज ने कहा कि मनुष्य को जीवन में आध्यात्मिकता को महत्व देते हुए ईश्वर से अपना जुड़ाव बढ़ाना चाहिए। यही जीवन की वास्तविक पूंजी है। उन्होंने कहा कि भौतिक सुख-सुविधाएं और धन-संपत्ति जीवन के साथ समाप्त हो जाती हैं, लेकिन सत्संग से प्राप्त ज्ञान और संस्कार व्यक्ति के जीवन को सही दिशा देते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से नियमित रूप से सत्संग सुनने और संतों की शरण में रहने का आह्वान किया। महाराज ने कहा कि सच्चे ज्ञान की प्राप्ति के लिए गुरु का मार्गदर्शन आवश्यक है। गुरु ही व्यक्ति को सत्य का बोध कराते हुए जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने की दिशा दिखाते हैं। कार्यक्रम में अखंड परमधाम आश्रम समिति की ओर से परमानंद जी महाराज की आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पादुका पूजन एवं गुरु पूजन किया। आयोजन के समापन पर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद जी महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रवचन में भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीराम के आदर्शों पर चलकर मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बना सकता है।

एक साल से हत्या के प्रयास के मामले में फरार ईनामी आरोपी गिरफ्तार, छह आरोपियों को पहले ही पकड़ चुकी थी पुलिस

मंदसौर/नवप्रदेश। मध्य प्रदेश के मंदसौर की सिटी कोतवाली पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में करीब एक साल से फरार चल रहे ईनामी आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की गिरफ्तारी मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। इस मामले में पुलिस छह आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि सातवां आरोपी घटना के बाद से फरार था। थाना प्रभारी पुष्पेंद्र सिंह राठौर ने बताया कि 5 सितंबर 2025 को नयापुरा मंदसौर निवासी जावेद पिता जाकिर शाह की रिपोर्ट पर सिटी कोतवाली थाने में सात आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, जान से मारने की धमकी और गाली-गलौज सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने छह आरोपियों रफीक उस्ताद, सिद्दीक मेवाती, समीर उस्ताद मेवाती, सोहेल मेवाती, सेन मेवाती और हसनेन मेवाती को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। मामले का शेष आरोपी रशीद पिता मम्मू खां मेवाती, निवासी नयापुरा मंदसौर, घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक मंदसौर की ओर से इनाम की घोषणा भी की गई थी। पुलिस टीम आरोपी की तलाश में लगातार जुटी थी। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से आरोपी के संबंध में सूचना मिली। सूचना के आधार पर सिटी कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रशीद मेवाती को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से प्रकरण के संबंध में पूछताछ कर रही है।

रेलवे स्टेशन के पास मिला 13 वर्षीय बालक, पुलिस ने माता-पिता को सौंपा: इधर, सिटी कोतवाली पुलिस ने परिजनों से बिछड़े 13 वर्षीय बालक को सुरक्षित उसके माता-पिता तक पहुंचाया। पुलिस की चीता मोबाइल टीम को सूचना मिली थी कि एक नाबालिग बालक रेलवे स्टेशन

---

5 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

मंत्री राजपूत ने नगर परिषद भवन का किया लोकार्पण

सागर/नवप्रदेश।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की जन-संवाद और जनकल्याण की मंशा के अनुरूप प्रदेश के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने शनिवार को सागर जिले में सुरखी नगर परिषद क्षेत्र का पैदल भ्रमण किया।

मंत्री राजपूत ने सुरखी की गली-गली और घर-घर जाकर आम नागरिकों से सीधा संवाद किया, बुजुर्गों व युवाओं से हाल-चाल जाना और उनकी समस्याओं को सुना। भ्रमण के दौरान मंत्री राजपूत ने सुरखी नगर परिषद भवन का भव्य लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए 5 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी और कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण किया। नागरिकों को संबोधित करते हुए मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्पष्ट संदेश है कि जनप्रतिनिधि खुद जनता के बीच जाएं और विकास कार्यों का वास्तविक फीडबैक लें। इसी उद्देश्य से मैं आज सुरखी की गलियों में पैदल घूमकर अपने परिवार के सदस्यों से मिलने आया हूं। उन्होंने आगे कहा कि इस भ्रमण का उद्देश्य कोई राजनीतिक कार्यक्रम या चुनाव प्रचार नहीं, बल्कि सीधे जनता से मिलकर उनकी समस्याओं का समाधान करना है ताकि विकास की योजनाएं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुँच सकें। नगर परिषद सुरखी के विभिन्न वार्डों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए मंत्री राजपूत ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। वार्ड 1, 2, 6, 12, 13, 14 एवं 15 में सीसी रोड और नाली निर्माण। वार्ड 9 में सीसी रोड और फर्श निर्माण। वार्ड 10 एवं 11 में सीसी रोड का निर्माण कार्य। मिड़वासा तथा वार्ड 14-15 में डब्ल्यूबीएम रोड और पुलिया निर्माण। गौशाला परिसर में प्रथम तल पर भव्य सामुदायिक भवन का निर्माण।

प्रमुख मार्गों पर स्वागत द्वार और सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार। इन निर्माण कार्यों से बारिश के मौसम में होने वाले जलभराव, कीचड़ और रास्तों की समस्या से नागरिकों को हमेशा के लिए निजात मिलेगी। मंत्री राजपूत ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल बड़े प्रोजेक्ट्स तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि हर गली और मोहल्ले तक बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना है। सीसी रोड और पुलिया निर्माण से स्कूली बच्चों, किसानों, मरीजों और आम यात्रियों के दैनिक आवागमन में बड़ी सुगमता आएगी। उन्होंने केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री आवास योजना, हर घर नल-जल, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और पीएम किसान सम्मान निधि का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य सरकार इन योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू कर रही है। मंत्री ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि नागरिकों की छोटी से छोटी शिकायत को भी गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता न करने और समय-सीमा के भीतर कार्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। इस पैदल भ्रमण के दौरान स्थानीय मंडल अध्यक्ष बुंदेल सिंह, नर्मदा सिंह, मोनू सिंह मोकलपुर, अरुण गौतम, सरमन सिंह, कमलेश पांडे, भोले राजा, मूरत सिंह, शुभम सिंह, पवन दुबे, बहादुर सिंह, टीकाराम चौबे, बसंत लोधी, नेपाल सिंह, अतुल भार्गव, लक्ष्मण सिंह सहित सैकड़ों की संख्या

दिशा समिति की बैठक में हुई विकास योजनाओं की विस्तृत समीक्षा

इंदौर/नवप्रदेश।

मध्य प्रदेश के इंदौर में शनिवार को कलेक्टर सभागृह में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सांसद शंकर लालवानी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता एवं जनभागीदारी से जुड़े प्रयासों की समीक्षा की गई। युवाओं और विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने, नशामुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं के समन्वय से अभियान को और प्रभावी बनाने पर चर्चा हुई।

इसी क्रम में पीएम श्री स्कूल योजना के अंतर्गत चयनित विद्यालयों में शैक्षणिक सुविधाओं, आवश्यक संसाधनों, अधोसंरचना विकास एवं विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली गई। विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं का बेहतर संचालन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं आधुनिक शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में रोजगार एवं कौशल विकास से संबंधित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। युवाओं को उनकी योग्यता एवं रुचि के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, प्रशिक्षण के बाद रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की कौशल विकास योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ युवाओं तक पहुंचाने के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली गई।

इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति, पात्र हितग्राहियों का चयन, योजना के लाभ का वितरण तथा जमीनी स्तर पर योजनाओं के प्रभाव की समीक्षा की गई। सांसद ने अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों से कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य तभी सफल होगा, जब उनका लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े पात्र व्यक्ति तक समय पर पहुंचे।

योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर: बैठक में विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों की प्रगति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सांसद ने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों, लंबित प्रकरणों एवं आवश्यक समन्वय के संबंध में जानकारी लेते हुए समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इंदौर देश के प्रमुख विकसित शहरों में शामिल है और यहां विकास कार्यों के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी प्राथमिकता है। केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर तरीके से लागू करते हुए अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिलना चाहिए।

विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास: सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए देशभर में विकास एवं जनकल्याण के कार्य निरंतर किए जा रहे हैं। इंदौर में भी शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास, स्वास्थ्य, अधोसंरचना एवं सामाजिक कल्याण सहित

गांव- गांव गूंजेगा तिरंगा का संदेश, भाजपा निकालेगी

सतना/नवप्रदेश।

मध्यप्रदेश के सतना जिले में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए भाजपा ने जिले में व्यापक स्तर पर तिरंगा यात्रा अभियान चलाने की तैयारी शुरू कर दी है।

भाजपा कार्यालय में शनिवार को आयोजित बैठक में अभियान की रूपरेखा तय की गई। पार्टी ने 9 अगस्त से 15 अगस्त तक गांव -गांव तिरंगा यात्रा निकालने का निर्णय लिया है। यात्रा को सफल बनाने के लिए मंडल स्तर पर समितियों का गठन कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष भगवती पांडेय, सांसद गणेश सिंह, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में तिरंगा यात्रा के आयोजन, कार्यकर्ताओं की भागीदारी और गांव-गांव तक अभियान पहुंचाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष भगवती पांडेय ने बताया कि 9 अगस्त से शुरू होने वाली तिरंगा यात्रा 15 अगस्त तक जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में निकाली जाएगी। इसके लिए मंडल स्तर पर समितियों का गठन किया गया है। संबंधित समितियां अपने-अपने क्षेत्रों में यात्रा की तैयारियों और आयोजन का नेतृत्व करेगी । भाजपा की रणनीति के तहत तिरंगा यात्रा को केवल मुख्यालय तक सीमित न रखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों तक ले जाने पर जोर दिया गया है। पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर आमजन को अभियान से जोड़ेंगे और स्वतंत्रता दिवस के महत्व तथा राष्ट्रध्वज के सम्मान का संदेश देंगे। संगठन ने कार्यकर्ताओं को किया सक्रिय बैठक के जरिए भाजपा ने स्वतंत्रता दिवस से पहले संगठनात्मक गतिविधियों को भी गति देने की तैयारी की है। मंडल स्तर पर गठित समितियों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं, ताकि 9 से 15 अगस्त तक चलने वाला अभियान व्यापक स्तर पर आयोजित किया जा सके। बैठक में मौजूद वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं से तिरंगा यात्रा को सफल बनाने और अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

घर के आंगन में 45 वर्षीय व्यक्ति ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, जांच

राजगढ/नवप्रदेश।

मध्यप्रदेश के राजगढ़ जिले के कालीपीठ थाना क्षेत्र के ग्राम सिंदूरिया में शनिवार शाम 45 वर्षीय व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के समय वह घर में अकेला था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जिला चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार ग्राम सिंदूरिया निवासी लक्ष्मीनारायण (45) पुत्र बीरमसिंह ने घर के आंगन में बीम से रस्सी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना के दौरान उसके परिजन मजदूरी के लिए गांव में गए हुए थे साथ ही वह स्वयं भी मजदूरी करता था। परिजन जब वापस घर पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई और उन्होंने पुलिस को सूचना दी। बताया गया है कि लक्ष्मीनारायण शराब पीने का आदी था। उसके परिवार में दो बेटियां और एक बेटा है। हालांकि उसने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसका स्पष्ट कारण अभी सामने नहीं आया है। पुलिस द्वारा मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को जिला चिकित्सालय की मर्चुरी में रखवाया है। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ब्यावरा को प्रदेश में अव्वल बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें-मंत्री पंवार

राजगढ़/नवप्रदेश।

मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा विधानसभा को विकास और जनसेवा के क्षेत्र में प्रदेश में अव्वल बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से काम करें। अधिकारी केवल कार्यालयों तक सीमित न रहें, बल्कि नियमित रूप से फील्ड में पहुंचकर योजनाओं और विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति देखें।

यह निर्देश शनिवार को प्रदेश के मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास राज्यमंत्री नारायणसिंह पंवार ने अनुभाग स्तरीय विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों की योजनाओं, विकास कार्यों और जनसमस्याओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही तक पारदर्शी तरीके से समय पर पहुंचे। विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं होना चाहिए और निर्धारित समयसीमा में काम पूरे किए जाएं। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने परीक्षा परिणामों में सुधार के लिए स्कूलों की रेंडम चेकिंग करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों की उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था और पढ़ाई के स्तर की नियमित निगरानी के साथ कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष प्रयास करने को कहा। सरकारी शिक्षकों द्वारा निजी कोचिंग संचालित करने की शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश भी दिए। स्वास्थ्य विभाग को कुपोषित बच्चों की नियमित निगरानी और समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा में मंत्री ने किसानों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण करने और केंद्र व राज्य की योजनाओं की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचाने को कहा। उद्यानिकी और पशुपालन अधिकारियों को भी किसानों के बीच जाकर योजनाओं का लाभ दिलाने के निर्देश दिए। वन विभाग की समीक्षा में घुरैल पहाड़ी क्षेत्र में पौधारोपण के साथ पौधों के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। मंत्री ने लगाए गए पौधों की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। पशुपालन विभाग को गौशालाओं का फील्ड में निरीक्षण कर चारा, पानी और स्वास्थ्य सुविधाओं की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। राजस्व विभाग को जमीन से जुड़े प्रकरणों और किसान सम्मान निधि के लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने को कहा गया। ब्यावरा और सुठालिया में पेयजल, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था बेहतर रखने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने 37 लाख रुपए लागत के पंचायत भवन निर्माण का लोकार्पण किया

मंदसौर/नवप्रदेश।

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शनिवार को मंदसौर जिले के ग्राम खेर खेड़ा में 37 लाख रुपए लागत से निर्मित अटल ग्राम पंचायत भवन का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आज मध्य प्रदेश विकास के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित है, प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है। इस दौरान राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर, जिला योजना समिति सदस्य राजेश दीक्षित, मदन लाल राठौर तथा अन्य जनप्रतिनिधि अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान संचालित किया जा रहा है। आमजन की जो भी शिकायत है या समस्याएं होंगी उनका समाधान सुनिश्चित किया गया है। अभियान में आयोजित शिविरों के दौरान जो भी आवेदन आएंगे उनका समय सीमा में निराकरण किया जाएगा। जिम्मेदारी से शासन प्रशासन द्वारा कार्य किया जाएगा। विकास का जिक्र करते हुए उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि आज पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछाकर गांव-गांव आपस में जोड़ दिए गए हैं। पहले जहां किसी स्थान से अन्य स्थान जाने में 5 घंटे लगते थे अब मात्र 2 घंटे में पहुंच जाते हैं। राज्य शासन द्वारा पेयजल बिजली व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। वही आयुष्मान कार्ड बनाकर लोगों के निश्शुल्क उपचार का प्रबंध किया गया है। उप मुख्यमंत्री ने मल्हारगढ़ क्षेत्र में विकास कार्यों की जानकारी में बताया कि क्षेत्र के गांव-गांव सड़कों से जोड़ दिए गए हैं गांधी सागर बांध का पानी हर खेत तक पहुंचेगा।

राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने अपने संबोधन में कहां की प्रदेश में प्रत्येक क्षेत्र में विकास किया जा रहा है। प्रदेश विकास के क्षेत्र में अग्रणी है गेहूं उत्पादन में प्रदेश देश में अव्वल है हर खेत को पानी मिल रहा है हर घर नल से जल मिल रहा है किसानों की आय को दुगना करने का कार्य किया जा रहा है किसान हित सर्वोपरि है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री देवड़ा द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया।

मीटर स्मार्ट हुआ, विभाग नहीं

सरकार ने तय किया कि अब सरकारी दफ्तरों की बिजली भी प्रीपेड होगी। यानी पहले पैसा, फिर बिजली। आदेश निकला कि 71 विभाग तीन महीने का बिल एडवांस जमा करें। विभागों ने आदेश पढ़ा, समझा और फिर वही किया जिसमें सरकारी व्यवस्था को वर्षों का अनुभव है-कुछ नहीं। डेढ़ लाख सरकारी कनेक्शनों पर स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, लेकिन भुगतान व्यवस्था अभी भी पुराने मीटर की तरह धीरे-धीरे चल रही है। केवल चार विभागों ने पैसा जमा किया, बाकी शायद दस अगस्त की डेडलाइन को भी सरकारी सुझाव मानकर बैठे हैं। उधर चार हजार करोड़ रुपये का पुराना बिजली बिल पहले से बकाया है। उसे बाद में किस्तों में चुकाने की तैयारी है। पावर कंपनी चाहती थी कि एक अगस्त से व्यवस्था बदल जाए, लेकिन विभागों ने साबित कर दिया कि मशीन को स्मार्ट बनाना आसान है, सरकारी भुगतान को स्मार्ट बनाना कठिन। यहां बिजली प्रीपेड होगी, मगर सरकारी आदतें अब भी पोस्टपेड हैं।

राजधानी सुरक्षित है, बस पुलिस थोड़ी कम है

रायपुर की कानून-व्यवस्था इतनी मजबूत है कि अब सांसद बृजमोहन अग्रवाल को मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को पत्र लिखकर याद दिलाना पड़ा कि पुलिस भी व्यवस्था का हिस्सा होती है। सांसद ने बताया कि पुलिस में 660 से ज्यादा पद खाली हैं, इसलिए 500 पुलिसकर्मी तत्काल भेजे जाएं। यानी अपराधियों ने भर्ती प्रक्रिया का इंतजार करना बंद कर दिया है, अब सरकार को भी करना चाहिए। ट्रैफिक बढ़ रहा है, शहर फैल रहा है, एयरपोर्ट भी कमिश्नरेट में चाहिए और पुलिस को गाडियां तथा दफ्तर भी। कुल मिलाकर राजधानी तेजी से महानगर बन रही है, लेकिन पुलिस व्यवस्था अभी पुराने रायपुर की स्मृतियों में निवास कर रही है। अब पत्र मुख्यमंत्री और गृहमंत्री के पास है। उम्मीद है उस पर गंभीरता से विचार होगा। वैसे शासन में 'गंभीरता से विचार' वह सुरक्षित स्थान है, जहां कई अच्छे सुझाव वर्षों तक बिना अपराध के पड़े रहते हैं।

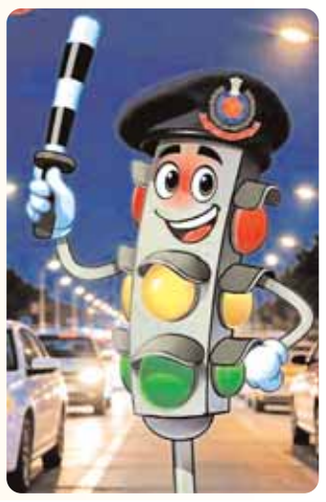

पीडब्ल्यूडी में अटैचमेंट का मोहभंग

पीडब्ल्यूडी में अटैचमेंट भी बड़ा अद्भुत विज्ञान था। नौकरी कहीं, सेवा कहीं और सुविधा वहां, जहां मन को शांति मिले। अब सरकार ने इस आध्यात्मिक व्यवस्था पर ब्रेक लगा दिया है। आदेश आया है कि बिना अनुमति जितने भी अधिकारी-कर्मचारी इधर से उधर अटैच किए गए हैं, सब अपने मूल ठिकाने पर लौटें। यानी वर्षों बाद कुछ दफ्तर अपने कर्मचारियों से और कर्मचारी अपने असली दफ्तर से मिलेंगे। सरकार ने यह भी समझाया कि अतिरिक्त प्रभार कोई पुश्तैनी संपत्ति नहीं है, अधिकतम तीन महीने तक ही रखा जाएगा। जरूरत हो तो पहले अनुमति लो, फिर कुर्सी संभालो। रिक्त पद हैं तो प्रस्ताव भेजिए, जुगाड़ नहीं लगाइए। अब उल्लंघन करने वालों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी। पीडब्ल्यूडी में सड़कें कितनी सीधी होंगी, यह तो समय बताएगा, लेकिन फिलहाल अधिकारियों के अटैचमेंट का रास्ता जरूर सीधा कर दिया गया है।

बस में सीट नहीं मिली तो बंदूक निकाल ली

सूरजपुर में एक सुरक्षा गार्ड ने सुरक्षा की परिभाषा ही बदल दी। स्कूल बस में चढ़ना था, ड्राइवर ने नियम बता दिए। गार्ड साहब को नियम इतने बुरे लगे कि उन्होंने लाइसेंसी बंदूक निकालकर समझाने की कोशिश की कि देश में सबसे प्रभावी पहचान-पत्र वही है, जिसकी नली सामने वाले की तरफ हो। ड्राइवर ने अंबिकापुर तक छोड़ने से मना किया तो मारपीट भी हो गई। स्कूल बस में मौजूद लोग सहम गए। अब बच्चों ने भी प्रत्यक्ष शिक्षा पा ली कि सड़क सुरक्षा का अध्याय किताब में कुछ और होता है और व्यवहार में कुछ और। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हथियार का लाइसेंस निलंबित कराने की तैयारी है। बेचारे गार्ड को शायद नौकरी में बताया गया था कि बंदूक बैंक की सुरक्षा के लिए है, लेकिन उन्हें लगा होगा कि इसका इस्तेमाल बस में सीट सुरक्षित कराने के लिए भी किया जा सकता है।

विकास पहुंच गया, रास्ता पीछे रह गया

बलौदा बाजार के लालपुर गांव में विकास शायद हेलीकॉप्टर से आया होगा, क्योंकि जमीन पर श्मशान तक पहुंचने का रास्ता अब भी नहीं है। गांव की एक प्रसूता की मौत के बाद परिजन अंतिम संस्कार के लिए निकले, तो पता चला कि पारंपरिक मार्ग अतिक्रमण में समा चुका है। फिर क्या था, अंतिम यात्रा भी सरकारी योजनाओं की तरह खेतों से होकर गुजरी। करीब एक किलोमीटर शव कंधे पर लेकर लोग श्मशान पहुंचे। ग्रामीण कहते हैं कि शिकायतें कई बार हुईं, आवेदन भी दिए गए। प्रशासन ने शायद उन्हें सुरक्षित रख लिया है, ताकि भविष्य की फाइलों में प्रमाण रहे कि समस्या पुरानी है। हमारे यहां विकास की खासियत यही है- सड़कें भाषण में बन जाती हैं, सुविधाएं कागज पर पहुंच जाती हैं। बस आदमी के जीते-जी अस्पताल और मरने के बाद श्मशान तक पहुंचने का रास्ता कभी-कभी बाकी रह जाता है।

विधायक जी का निशाना अभी भी सटीक है

सीतापुर के विधायक रामकुमार टोप्पो राजनीति में आ गए हैं, लेकिन निशाना लगाना अभी भूले नहीं हैं। माना की पुलिस ट्रेनिंग स्कूल पहुंचे और पिस्टल से दनादन गोलियां चलाकर बता दिया कि चुनाव जीतने के बाद भी टारगेट साधने की प्रैक्टिस जरूरी है। वैसे राजनीति में भी निशाना बहुत मायने रखता है। फर्क बस इतना है कि वहां टारगेट कागज पर नहीं, सामने वाली पार्टी होती है। टोप्पो पहले सुरक्षा बल में रहे हैं, इसलिए उनका कहना है कि देश को जरूरत पड़ी तो बॉर्डर पर सेवा देने के लिए तैयार रहना चाहिए। लिहाजा बीच-बीच में अभ्यास करते रहते हैं। इससे पहले वे नानचाकू चलाते भी नजर आए थे। कुल मिलाकर विधायक जी का संदेश साफ है—जनता की समस्याओं पर निशाना कब लगेगा, यह समय बताएगा, लेकिन फायरिंग रेंज में उनका निशाना अभी बिल्कुल ठीक चल रहा है।

डॉक्टर को पहचान करानी थी, सांप भी साथ ले आया

कांकेर के पखांजूर में एक युवक को सांप ने काट लिया। आम आदमी होता तो अस्पताल भागता, लेकिन भाई साहब ने सोचा—डॉक्टर पूछेंगे कौन-सा सांप था, इसलिए गवाह को ही साथ ले आया। सांप को गले में डाला और बाइक से 14 किलोमीटर बाईक चलाकर अस्पताल पहुंच गया। रास्ते में लोगों ने शायद हेलमेट कम और सांप ज्यादा देखा होगा। युवक का तर्क भी मजबूत था—डॉक्टर सांप पहचान लेंगे तो इलाज आसान होगा। मगर इस वैज्ञानिक सोच में एक छोटी-सी कमी रह गई कि वही सांप रास्ते में दोबारा काट सकता था। अच्छी बात यह रही कि युवक अस्पताल पहुंच गया और इलाज शुरू हो गया। हमारे देश में मरीज अक्सर जांच रिपोर्ट लेकर अस्पताल जाते हैं, लेकिन पखांजूर के भाई ने पूरी रिपोर्ट ही गले में डाल ली। हिम्मत की तारीफ जरूर बनती है, मगर ऐसी हिम्मत दोहराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

नाम में क्या रखा है

सीजीपीएससी का रिजल्ट आया तो लोगों ने अंक कम, नाम ज्यादा पढ़े। सूची में 'न्यूज', 'स्पेश रानी, 'हे राम' और 'तूफैल' दिखे तो सोशल मीडिया ने परीक्षा से पहले ही जांच आयोग बैठा दिया। 'न्यूज' नाम के युवक ने वीडियो बनाकर बताया कि भाई, नाम असली है। दसवीं में सरनेम छूटा तो सरकारी दस्तावेजों ने भी परंपरा निभाई—जो एक बार छूट गया, फिर जुड़ न सका। आयोग ने कहा, नाम अभ्यर्थियों ने खुद भरे हैं। भाजपा बोली—कांग्रेस माफी मांगे। कांग्रेस बोली—जांच होनी चाहिए। यानी परीक्षा उम्मीदवारों ने दी और राजनीति नेताओं ने पास कर ली। अब मुख्य परीक्षा अक्टूबर में होगी। उम्मीद है तब सवाल सामान्य ज्ञान के होंगे, नामों के नहीं। वैसे हमारे यहां नाम पर विवाद नया नहीं है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले नेता अपने काम से 'न्यूज' बनते थे, अब 'न्यूज' खुद परीक्षा पास कर रहा है।

मोबाइल से निकलकर सीधे सड़क पर पहुंचती है पुलिस!

डिजिटल लोकतंत्र! मोबाइल पर हाथ क्या चले, सीधे घर के बाहर पुलिस का काफिला आ खड़ा हुआ। भगवान शिव पर एक टिप्पणी क्या हुई, ऑनलाइन का सारा ड्रामा ऑफलाइन सड़कों पर उतर आया। भाजपा और बजरंग दल वाले अकुलाए, और कानून ने तुरंत मुस्तैदी दिखाई। इंटरनेट ने दी है आज़ादी—लिखो बेधड़क, बिना सोचे-समझे! पहले सारे विवाद गाँव की चौपालों पर सुलझा करते थे, जहाँ पंचायत बैठती थी और पुलिस की जरूरत शायद ही कभी पड़ती थी। अब चौपालें सिमटकर कमेंट बॉक्स में आ गई हैं, और फर्क सिर्फ इतना है कि साहब, इन डिजिटल चौपालों पर पुलिस को बिना बुलाए ही मेहमान बनकर आना पड़ता है!

आत्मा का फैसला, पर फाइल सरकारी होगी!

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण कानून लागू हो गया है। अब धर्म बदलना हो तो भावनाओं से पहले कैलेंडर देखिए, क्योंकि 60 दिन पहले कलेक्टर को सूचना देनी होगी। यानी आत्मा का फैसला व्यक्तिगत हो सकता है, लेकिन उसकी फाइल सरकारी होगी। सरकार ने कानून चार भाग और 24 धाराओं में समझाया है, ताकि किसी को यह भ्रम न रहे कि मामला सिर्फ आस्था का है। नियम तोड़ने पर जेल से लेकर उम्रकैद तक का प्रावधान है। गृहमंत्री ने कहा है कि कानून तोड़ने वालों का कलेजा कांपेगा। अब प्रशासन जांच करेगा, अनुमति देखेगा, विशेष अदालत सुनवाई करेगी और छह महीने में फैसला करने की कोशिश होगी। शादी, धर्म और कानून—तीनों अब एक ही फाइल में मिल सकते हैं। कुल मिलाकर संदेश साफ है—छत्तीसगढ़ में धर्म परिवर्तन अब निजी फैसला कम और विधिवत सरकारी प्रक्रिया ज्यादा हो गया है।

पहले आदेश निकला, मंजूरी बाद में खोजी गई!

वाह रे सरकारी रीत! उच्च शिक्षा विभाग ने अतिथि व्याख्याताओं के लिए नीति का ऐसा फरमान जारी किया कि मानदेय और छुट्टियाँ दोनों बढ़ गईं। पर साहब, बाद में याद आया कि कैबिनेट की मंजूरी तो ली ही नहीं थी! यानी सरकारी गाड़ी बिना परमिट के सरपट रवाना हो गई, और अब परमिट तलाशा जा रहा है। वित्त विभाग ने फाइल वापस पटकते हुए पूछा कि खर्च हमारा है, तो पूछा क्यों नहीं? उच्च शिक्षा विभाग सफाई दे रहा है कि नीति पुरानी थी, बस संशोधन किया था! वित्त मंत्री जी बोले कि प्रक्रियात्मक त्रुटि है, पर भर्ती नहीं रुकेगी। अतिथि व्याख्याता खुश हैं, और नीति की वैधानिक यात्रा जारी है। यहां व्यवस्था बड़ी संवेदनशील है—पहले आदेश निकलता है, फिर विभाग बैठकर तय करता है कि आदेश निकलना भी चाहिए था या नहीं! फिलहाल अतिथि पढ़ाएंगे और फाइलें एक-दूसरे को पाठ पढ़ाती रहेंगी।

उज्जैन में 13 दिवसीय साधना शिविर का शुभारंभ, बाबा उमाकांत ने आत्मधन अर्जित करने का दिया संदेश

बोले- साधना से मनुष्य में आती है शक्ति, लाखों साधक बदल सकते हैं विपरीत परिस्थितियां

उज्जैन/नवप्रदेश। उज्जैन आश्रम में 8 अगस्त से शुरू हुए 13 दिवसीय साधना शिविर का शुभारंभ परम् पूज्य बाबा उमाकांत जी महाराज के सानिध्य में हुआ। देश-विदेश में आयोजित होने वाले इस शिविर को लेकर बाबा उमाकांत जी महाराज ने कहा कि 13 दिनों का यह समय उस 'तेरा' यानी प्रभु को याद करने का अवसर है, जिसका यह शरीर और जीवात्मा है। उन्होंने साधकों से आत्मधन अर्जित करने और नियमित साधना करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आत्मधन ऐसा धन है, जो जीवन में भी काम आता है और मृत्यु के बाद भी साथ रहता है। बाबा ने अधिक से अधिक समय साधना में लगाने और शिविर में भाग लेने की अपील की। बाबा उमाकांत जी महाराज ने कहा कि समाज में परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं और आने वाले समय में कठिन परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे समय में साधना से जुड़े लोगों में आध्यात्मिक शक्ति विकसित होगी। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में भजनानंदी तैयार होंगे, जो सकारात्मक ऊर्जा और साधना के माध्यम से परिस्थितियों को बदलने में योगदान दे सकते हैं। उन्होंने नामदानी साधकों से अपने परिवार के सदस्यों को भी साधना से जोड़ने तथा उन्हें भजन और आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ाने का आह्वान किया।

उज्जैन में 18.66 करोड़ की लागत से बनेगा आधुनिक न्यायाधीश अतिथि गृह

उज्जैन/नवप्रदेश। उज्जैन की न्यायिक अधोसंरचना को और मजबूत एवं आधुनिक बनाने की दिशा में शुक्रवार को महत्वपूर्ण पहल हुई। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने करीब 18.66 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले न्यायाधीश अतिथि गृह का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। करीब 1.947 एकड़ भूमि में बनने वाला यह न्यायाधीश अतिथि गृह आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा। भवन का निर्माण जी+1 (भूतल एवं प्रथम तल) संरचना में किया जाएगा। अतिथि गृह में न्यायाधीशों के ठहरने के लिए आवश्यक सभी सुविधाओं का प्रावधान किया जाएगा। न्यायाधीश अतिथि गृह के निर्माण से विभिन्न न्यायालयों और न्यायिक संस्थानों से उज्जैन आने वाले न्यायाधीशों को बेहतर एवं सुविधायुक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध होगी। इससे उज्जैन की न्यायिक व्यवस्थाओं और अधोसंरचना को भी मजबूती मिलेगी। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को श्री महाकालेश्वर मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। वहीं जिला अभिभाषक संघ की ओर से समारोह में उपस्थित सभी न्यायाधीशों को भगवान श्री महाकालेश्वर का छायाचित्र भेंट किया गया।

सिंहस्थ-2028 : सात दिन में तय होंगे मेला क्षेत्र के जोन, हर जोन की बनेगी विस्तृत कार्ययोजना

उज्जैन/नवप्रदेश। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों को लेकर शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय के सभागार में समन्वय बैठक आयोजित की गई। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में श्रद्धालुओं की सुविधा, आवागमन, पार्किंग, सड़क कनेक्टिविटी, स्वच्छता और भीड़ प्रबंधन सहित मेला क्षेत्र में की जाने वाली विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में एडीजी राकेश गुप्ता, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। संभागायुक्त आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ मेला क्षेत्र को अलग-अलग जोन में विभाजित कर प्रत्येक जोन की जरूरतों के अनुसार विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए। उन्होंने अधिकारियों को अगले सात दिनों में प्रस्तावित जोन निर्धारित कर उनकी पूरी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने मेला क्षेत्र में सड़क कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए प्रस्तावित अंडरपास निर्माण, लेवलिंग का कार्य पूरा करने तथा श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अस्थायी सड़कों के निर्माण की कार्ययोजना शीघ्र तैयार करने को कहा। संभागायुक्त ने कहा कि प्रत्येक जोन के लिए सड़क, पार्किंग, पेयजल, स्वच्छता, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता का आकलन कर उसी के अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सिंहस्थ के दौरान देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उज्जैन पहुंचने की संभावना को देखते हुए उन्होंने पार्किंग स्थलों के लिए प्रस्तावित भूमि का चिन्हांकन कर विस्तृत कार्ययोजना बनाने के निर्देश भी दिए। बैठक में नवनिर्मित स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चेंजिंग रूम सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों को घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी जरूरी इंतजाम समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

यूपीएससी की तैयारी कर रहे दिव्यांग युवक को मिली 50 हजार की अत्याधुनिक जॉयस्टिक व्हीलचेयर

स्नेह, सक्षम जिला नागदा इकाई और लायंस क्लब नागदा ग्रेटर की पहल से मिली मदद

नागदा/नवप्रदेश। यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे दिव्यांग युवक संजय मकवाना के लिए सामाजिक संस्थाओं की पहल मददगार साबित हुई। स्नेह संस्था, सक्षम जिला नागदा इकाई एवं लायंस क्लब नागदा ग्रेटर की पहल पर भारत सरकार की ष्ठढ्ढक्क योजना के अंतर्गत ग्राम भांडला, तहसील खाचरौद निवासी संजय मकवाना, पिता मुकेश मकवाना को करीब 50 हजार रुपए मूल्य की अत्याधुनिक जॉयस्टिक व्हीलचेयर प्रदान की गई। संजय ड्वार्फिज्म दिव्यांगता के कारण चलने-फिरने में काफी कठिनाइयों का सामना करते हैं। इसके बावजूद उन्होंने हौसला नहीं छोड़ा और अपने जीवन में आगे बढ़ने के संकल्प के साथ यूपीएससी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। दैनिक आवागमन में होने वाली परेशानी को देखते हुए उन्होंने संस्था स्नेह से जॉयस्टिक व्हीलचेयर के लिए संपर्क कर आवेदन किया था। स्नेह के संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया कि संजय की आवश्यकता को देखते हुए भारत सरकार की ADIP योजना के तहत भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (ALIMCO), कानपुर से संपर्क किया गया। संजय की परिस्थितियों और आवश्यकता की जानकारी ALIMCO के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (CMD) प्रवीण कुमार के संज्ञान में लाई गई। इसके बाद तत्परता से कार्रवाई करते हुए संजय का आवेदन स्वीकृत किया गया और मात्र एक दिन में व्हीलचेयर नागदा पहुंच गई।

यूपीएससी तैयारी में मिलेगी सुविधा

जॉयस्टिक व्हीलचेयर मिलने के बाद संजय को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। इससे वे अपनी पढ़ाई और यूपीएससी की तैयारी पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने संजय को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को आधुनिक सहायक उपकरण उपलब्ध कराना उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के साथ समाज की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में स्नेह के सचिव विनय राज शर्मा, लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के सतीश बजाज, सक्षम जिला नागदा इकाई के अध्यक्ष चंदन कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष दिनेश दसलानिया, जीवेंद्र बिसेन, केशव गर्ग सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। स्नेह एवं सहयोगी संस्थाओं द्वारा दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

महाकाल मंदिर समिति की शिप्रा आरती पर विवाद, हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

अधिवक्ता ने शासन-प्रशासन को भेजा कानूनी नोटिस, अधिकार क्षेत्र और पुरोहितों से भेदभाव का लगाया आरोप

उज्जैन/नवप्रदेश। रामघाट पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति द्वारा शुरू की गई शिप्रा आरती को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मालव रक्षा अनुष्ठान के संयोजक एवं अधिवक्ता सत्यनारायण पुरोहित ने आरती को मंदिर समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर बताते हुए शासन-प्रशासन को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने आरती बंद नहीं किए जाने पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर करने की चेतावनी दी है। नोटिस धर्मस्व विभाग के प्रमुख सचिव, संभागायुक्त, कलेक्टर एवं महाकाल मंदिर समिति अध्यक्ष, एसपी और मंदिर प्रशासक को भेजा गया है। अधिवक्ता का आरोप है कि 6 अगस्त से मंदिर समिति ने रामघाट पर बाहरी पंडितों और वैदिक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान के बटुकों के माध्यम से आरती शुरू कराई है, जबकि मंदिर अधिनियम के तहत समिति को शिप्रा आरती में हस्तक्षेप का अधिकार नहीं है।

नोटिस में आरोप लगाया गया है कि पूर्व से शिप्रा आरती कर रहे तीर्थ पुरोहितों को रोका गया और उनकी पूजन सामग्री जब्त की गई। इसे संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन बताते हुए पुरोहितों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया गया है। अधिवक्ता ने पूर्व आंदोलनों और प्रशासन द्वारा दिए गए आश्वासनों का उल्लेख करते हुए शिप्रा संरक्षण के मुद्दे भी उठाए हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि परंपरागत शिप्रा आरती में बाधा डालना बंद नहीं किया गया तो न्यायालय की शरण ली जाएगी।

भाजपा उज्जैन ग्रामीण की बैठक में हर घर तिरंगा अभियान की कार्ययोजना तय

उज्जैन/नवप्रदेश। भाजपा उज्जैन ग्रामीण की संगठनात्मक मासिक जिला बैठक जिला मुख्यालय लोक शक्ति भवन में जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में गत माह के कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी हर घर तिरंगा अभियान एवं विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस की कार्ययोजना तय की गई। जिला अध्यक्ष राजेश धाकड़ ने बताया कि जिले के प्रत्येक मंडल में 9 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जबकि 13 और 14 अगस्त को घर-घर तिरंगा फहराया जाएगा। 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के तहत मंडल स्तर पर मौन रैली एवं संगोष्ठी आयोजित होगी। साथ ही 17 अगस्त से संत रविदास जयंती के अवसर पर मंडल स्तर पर कलश यात्राएं निकाली जाएंगी। सांसद अनिल फिरोजिया ने व्यापारियों, सामाजिक संगठनों और युवाओं से 13 से 15 अगस्त तक घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने तथा तिरंगा यात्रा में सहभागिता की अपील की। बैठक में विधायक सतीश मालवीय, जितेंद्र पंड्या, गणपतलाल डाबी, जिला महामंत्री श्याम शर्मा सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महामंत्री, मोर्चा पदाधिकारी एवं अभियान की टोली के सदस्य मौजूद रहे। संचालन जिला महामंत्री राकेश यादव ने किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक यशवंत धोटे द्वारा बालाजी प्रिंटर्स प्लॉट नं -21 , सेक्टर-एच, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया भोपाल से मुद्रित कर, ए-182, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित मो- 9425237314, Email- navpradeshbhopal@gmail.com(न्याय क्षेत्र भोपाल)